संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 52
पृष्ठ 8
रविवार
10 नवम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– जल्द वजन घटाने के.....

विचार– डोनाल्ड ट्रम्प का राष्ट्रपति...

खेल– खतरे में है गौतम गंभीर की ....

पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला

चुनाव महाराष्ट्र में है और वसूली कर्नाटक एवं तेलंगाना में डबल हो गई है..

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के अकोला में चुनावी रैली को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि महाराष्ट्र राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ मजबूती से खड़ा है। संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि विदर्भ का आशीर्वाद हमेशा मेरे लिए खास रहा है। अब एक बार फिर मैं विधानसभा चुनाव में महायुति के लिए आपसे आशीर्वाद मांगनें आया हूं। उन्होंने कहा कि आज 9 नवंबर है और ये 9 नवंबर की तारीख बहुत ही ऐतिहासिक है। आज के ही दिन 2019 में देश की सर्वोच्च अदालत ने राम मंदिर पर फैसला दिया था। 9 नवंबर की ये तारीख इसलिए भी याद रखी जाएगी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद हर धर्म के लोगों ने बहुत ही संवेदनशीलता का परिचय दिया।

मोदी ने कहा कि 2014 से 2024 के 10 वर्षों में महाराष्ट्र ने भाजपा को लगातार दिल खोलकर आशीर्वाद दिया है। भाजपा के ऊपर महाराष्ट्र के इस भरोसे की वजह भी है। इसकी वजह है महाराष्ट्र के लोगों की देशभक्ति, राजनीतिक समझ और दूर–दृष्टि। उन्होंने कहा कि अभी केंद्र में हमारी सरकार को 5 महीने ही हुए हैं। इन 5 महीनों में लाखों करोड़ रुपये की परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इसमें बड़ी संख्या में महाराष्ट्र से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट भी हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 2 कार्यकाल में मोदी ने गरीबों को 4 करोड़ पक्के घर बनाकर दिए हैं। इतना ही नहीं उस समय जो लक्ष्य था वो पूरा भी कसर दिया।

भाजपा नेता ने कहा कि अब हम गरीबों के लिए 3 करोड़ नए घर और बनाने की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय मैंने 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की गारंटी देने का वादा किया था। हमारी सरकार ने बुजुर्गों की सेवा के लिए ये योजना लॉन्च कर दी है। 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को वय–वंदना आयुष्मान कार्ड मिलने शुरु हो गए हैं। सबका साथ–सबका विकास की भावना के साथ ही इस योजना का लाभ हर वर्ग, हर समाज, हर धर्म के बुजुर्गों को मिलेगा।

पीएम ने कहा कि कांग्रेस और अघाड़ी वालों ने महाराष्ट्र के लोगों की जिस मांग को दशकों तक पूरा नहीं होने दिया, मोदी ने वो भी पूरी कर दी है। हमें मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा देने का सौभाग्य मिला है। मराठी को वो सम्मान मिला है, जिससे पूरे महाराष्ट्र का गौरव जुड़ा है। उन्होंने कहा कि महायुति सरकार के अगले 5 वर्ष कैसे होंगे, इसकी एक झलक महायुति के वचननामे में भी दिख रही है। महिलाओं की सुरक्षा और महिलाओं के लिए अवसर, माझी लाडकी बहीण योजना का विस्तार, युवाओं के लिए लाखों रोजगार, विकास के बड़े–बड़े काम। महायुति सरकार महाराष्ट्र के विकास को डबल स्पीड से आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि महायुति के घोषणा पत्र के बीच, महाअघाड़ी वालों का घोटाला पत्र भी आया है। अब तो पूरा देश जानता है – महाअघाड़ी यानी, भ्रष्टाचार! महाअघाड़ी यानी, हजारों करोड़ के घोटाले!महाअघाड़ी यानी, पैसों की उगाही! महाअघाड़ी यानी, टोकन मनी! महाअघाड़ी यानी, ट्रांसफर–पोस्टिंग का धंधा। उन्होंने कहा कि जहां कांग्रेस की सरकार बन जाती है, वो राज्य कांग्रेस के शाही परिवार का ATM बन जाता है। इन दिनों हिमाचल, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे राज्य कांग्रेस के शाही परिवार के ATM बने हुए हैं। लोग बता रहे हैं कि इन दिनों महाराष्ट्र में चुनाव के नाम पर कर्नाटक में वसूली डबल हो गई है, चुनाव महाराष्ट्र में है और वसूली कर्नाटक एवं तेलंगाना में डबल हो गई है। आरोप है कि कर्नाटक में इन लोगों ने शराब के दुकानदारों से 700 करोड़ रुपये कि वसूली कराई है। मोदी ने कहा कि हमारे अकोला को कपास के उत्पादन के लिए जाना जाता है। कपास टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा आधार है। लेकिन हमारे कपास किसान को दशकों तक इन संभावनाओं का लाभ नहीं मिला, ये हालात अब बदल रहे हैं।

झारखण्ड में गरजे अमित शाह, बोले

जब तक भाजपा है, अल्पसंख्यकों को आरक्षण नहीं मिलेगा

रांची। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पलामू की रैली में कहा झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुवाई वाला गठबंधन देश में सबसे अधिक भ्रष्ट है और उसे सत्ता से हटाया ही जाना चाहिए। चुनावी राज्य में प्रचार करने पहुंचे शाह ने कहा कि भ्रष्ट लोगों को उल्टा लटका देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ओबीसी आरक्षण के विरुद्ध है, उसने महाराष्ट्र में उलेमाओं के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का वादा किया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मैं यहां से राहुल गांधी को चेतावनी देना चाहता हूं। जब तक भारतीय जनता पार्टी है, इस देश में अल्पसंख्यकों को आरक्षण नहीं मिलेगा।

शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आरक्षण की बात करती है। संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। हम कभी भी किसी धर्म विशेष को आरक्षण नहीं दे सकते। महाराष्ट्र में उलेमाओं के एक समूह ने कांग्रेस को ज्ञापन दिया कि मुसलमानों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए और कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हम इसमें आपकी मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं झारखंड की जनता से पूछने आया हूं कि अगर मुसलमानों को 10 फीसदी आरक्षण मिलेगा तो किसका आरक्षण कम हो जायेगा? पिछड़े वर्ग, दलित और आदिवासियों का आरक्षण कम कर दिया जाएगा। मैं यहां से राहुल गांधी को चेतावनी देना चाहता हूं। राहुल बाबा, आपके मन में जो भी साजिश हो, जब तक भारतीय जनता पार्टी है, इस देश में अल्पसंख्यकों को आरक्षण नहीं मिलेगा।

भाजपा नेता ने कहा कि जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी की सरकार सबसे भ्रष्ट सरकार है। कांग्रेस के सांसद के घर से 300 करोड़ से ज्यादा रुपये पकड़े गए। जिसे गिनने के लिए आईं मशीनें थक गईं। ये रुपया आपका है, झारखंड के युवाओं व गरीबों का है, जिसे ये कांग्रेसी खा गए। आप प्रदेश में भाजपा की सरकार बना दो, हम भ्रष्टाचार करने वालों को जेल की सलाखों के पीछे डाल देंगे। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन ने चुनाव के दौरान युवाओं से वादा किया था कि श्हम आपको बेरोजगारी भत्ता देंगेश, लेकिन हेमंत सोरेन ने अपना वादा पूरा नहीं किया। हम कह रहे हैं कि हर युवा साथी को प्रतिमाह 2,000 रुपया बेरोजगारी भत्ता देंगे। हर साल 1 लाख रोजगार सृजित करेंगे और 2 लाख 87 हजार रिक्त पदों को पारदर्शी तरीके भरा जाएगा।

अमित शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद झारखंड के युवाओं की नौकरी घुसपैठिए नहीं खा पाएंगे। घुसपैठियों द्वारा आदिवासी बेटियों से शादी कर उनकी जमीन हड़पने का काम भी हम कानून में बदलाव करके बंद करवाएंगे। रोटी, माटी और बेटी तीनों की सुरक्षा भाजपा करेगी।

वाजपेयी जी ने मुझे सीएम बनाया था, नीतीश बोले– मुझसे दो बार गलती हुई, अब दाएं–बाएं नहीं होगा

नई दिल्ली। बिहार में होने वाले उपचुनाव के लिए आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रचार शुरू कर दिया है। तरारी में भाजपा उम्मीदवार के लिए प्रचार करते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 से हम लोग एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। भाजपा से हमारा शुरू से ही नाता रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आगे भी रिश्ता कायम रहेगा। हमसे दो बार गलती हो गई थी। हमने राजद के साथ सरकार बना ली। लेकिन जब वह गड़बड़ करने लगे तो मुझसे बर्दाश्त नहीं हुआ। मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ और हम फिर से भाजपा के साथ आ गएष इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अब कोई दाएं बाएं नहीं होगा।

इतना ही नहीं, नीतीश कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को भी याद किया। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाया था। नीतीश ने कहा कि मैं अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में मंत्री रहा हूं। यहां–वहां कुछ गलतियां हो गईं लेकिन अब हम मिलकर काम करेंगे। हम देखते थे कि कोई काम नहीं हो रहा है। उन्होंने लालू यादव और राजद पर वार करते हुए कहा कि उनकी सरकार के दौरान कोई भी शाम के बाद डर के मारे अपने घर से नहीं निकल पाता था। उनकी वजह से झड़पें होती थीं। नीतीश ने साफ तौर पर कहा कि वे केवल मुस्लिम वोट चाहते थे। लेकिन हिंदू–मुस्लिम झगड़े अधिक थे। क्या हमारे सत्ता में आने के बाद कोई झड़प हुई है? उन्होंने कहा कि हमने हिंदू, मुस्लिम, ऊंची जाति, पिछड़ों, अति पिछड़ों, दलितों और महादलितों के लिए काम किया। हमने मुस्लिम समुदाय के लिए भी बहुत काम किया। मदरसों को सरकारी मान्यता दी गई और शिक्षकों को सरकारी स्कूल के शिक्षकों के बराबर वेतन दिया गया।

बटेंगे तो कटेंगे के नारे के साथ आरएसएस ने संभाली महाराष्ट्र में कमान

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए कहीं ना कहीं प्रतिष्ठा का सवाल बन चुका है। यही कारण है कि भाजपा अपने महायुति गठबंधन के साथियों के साथ–साथ इस चुनाव में पूरी ताकत लगा रही है। भाजपा के लिए बड़ी बात यह भी है कि उसके पक्ष में महाराष्ट्र में आरएसएस भी वोटो को एकजुट करने की कोशिश में जुटा हुआ है। आरएसएस बीजेपी की मदद में सामने आया है। 2024 के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा कुछ खास सफलता नहीं मिल पाई थी। पार्टी का प्रदर्शन बेकार रहा था। उससे सबक लेते हुए पार्टी ने इस बार सबको साथ लेने की कोशिश की है। यही कारण है कि उसे आरएसएस का भी सहयोग मिल रहा है। जानकारी के मुताबिक के महाराष्ट्र में आरएसएस के 65 से अधिक मित्र संगठन बीजेपी की मदद कर रहे हैं। यह संगठन सजग रहो नामक एक अभियान भी चला रहे हैं। इसका उद्देश्य पूरी तरीके से भाजपा की मदद करना और हिंदू वोटो को लामबंत करना है। आरएसएस के कार्यकर्ता लोगों के घर तक पहुंच रहे हैं। उन्हें भारी संख्या में मतदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं। उनके घर चाय भी पी रहे हैं और साथ ही साथ बटेंगे तो कटेंगे नारे का याद भी दिला रहे हैं। इन कार्यकर्ताओं द्वारा हिंदी और मराठी में वितरित किया जा रहा एक पेज का पैम्फलेट लोगों को आरएसएस द्वारा समर्थित मंत्र की याद दिलाता है और अप्रैल–जून के आम चुनाव परिणामों से सबक लेता है।

झारखंड में तेजी से फैल रहा सांप्रदायिकता का जहर, राजनाथ सिंह बोले

जातिगत आरक्षण के नाम पर गुमराह कर रही कांग्रेस

रांची। झारखंड के खूंटी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चुनावी जनसभा को संबोधित किया। राजनाथ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं द्वारा आये दिन जातिगत जनगणना कराने की मांग की जाती है। साल 2011 में एक सामाजिक–आर्थिक जाति जनगणना हुआ था जिसमें करीब 46 लाख जातियां, उपजातियां और गोत्र निकल कर आये थे। यह संख्या इतनी विशाल थी कि रिपोर्ट सार्वजनिक नही हुई। उन्होंने सावाल किया कि यह जाति का पिटारा खोल कर कांग्रेस क्या करना चाहती है और किसका आरक्षण काटना चाहती है। राजनाथ ने कहा कि मैं कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी से पूछना चाहता हूं कि हजारों लाखों की संख्या में जो जातियां है उनके कल्याण के लिए उनको आरक्षण देने के लिए आपके पास क्या ब्लू प्रिंट है, क्या रोड मैप है? उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी जातिगत आरक्षण के नाम पर गुमराह कर रही है। इनके नेताओं से पूछा जाना चाहिए कि आप अलग अलग जातियों के लिये आरक्षण के लिए क्या व्यवस्था करेंगे। जब तक ये जवाब न दें तब तक इनको समर्थन नहीं दिया जाना चाहिये। भाजपा नेता ने कहा कि झारखंड में अवैध घुसपैठिए आ गये हैं। हालात इतने खराब हैं ।

अखाड़ों के दूसरे धड़े ने भी देखी जमीन, दो-तीन दिनों में आवंटन, मेला प्रशासन का सकारात्मक रुख

प्रयागराज। महाकुंभ क्षेत्र में अखाड़ों के बसाने को लेकर गतिरोध दूर होता दिख रहा है। दूसरे धड़े के अखाड़ों ने भी शुक्रवार को जमीन का निरीक्षण कर वहां बसने की सहमति जताई है। खालसों को भी अखाड़ों के पास बसाने की मांग की गई, जिस पर मेला प्रशासन का सकारात्मक रुख है। मेला प्रशासन की ओर से कुंभ 2019 की तरह ही अखाड़ों को झूंसी की तरफ त्रिवेणी से लेकर काली मार्ग के बीच बसाने बसाने की योजना बनाई गई है। इस बाबत उन्हें बृहस्पतिवार को जमीन के निरीक्षण के लिए आमंत्रित किया गया था लेकिन अखाड़ों के बीच ही विवाद हो गया। इसकी वजह से एक गुट में शामिल सात अखाड़े के प्रतिनिधियों ने ही जमीन का निरीक्षण किया। वहीं दूसरे गुट ने विरोध

ा कर दिया था। हालांकि, बृहस्पतिवार रात में ही दूसरे गुट के साथ बात कर शुक्रवार को सुबह 10 बजे जमीन निरीक्षण का समय तय किया गया था। इसी के अनुसार अखाड़ों ने चिह्नित भूखंड का निरीक्षण किया। इसमें निर्मल, निर्वाणी अनि, निर्मोही अनि, दिगंबर अणि, महानिर्वाणी तथा अटल अखाड़ों के प्रतिनिधि शामिल रहे। अखाड़ों के प्रतिनिधियों ने सुविधाएं एवं जमीन बढ़ाने के साथ वहां की कुछ खामियों को दूर करने की बात कही। इस पर मेला प्रशासन का सकारात्मक रुख रहा। प्रतिनिधियों ने खालसों को भी वैष्णव अखाड़ों के साथ बसाने की मांग की। कुंभ–2019 में 700 खालसे आए थे। महाकुंभ में यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद का कहना है कि अखाड़ों की इस मांग पर विचार किया जा रहा है। अखाड़ों की मांग पूरी करने की कोशिश की जाएगी। निर्मल अखाड़ा के प्रतिनिधियों ने काली सड़क के बजाय 2001 से पहले की तरह नया उदासीन के पास बसाए जाने की मांग की। मेला प्रशासन ने इस पर विचार की बात कही। अखाड़ों ने कई अन्य बिंदु भी उठाए जिन पर मेला प्रशासन का सकारात्मक रुख रहा। इसके बाद दूसरे गुट ने भी तय स्थान पर अखाड़ों को बसाए जाने पर सहमति जताई। इसके अलावा दोनों गुटों की ओर से विवाद के बाद दी गई तहरीर भी शुक्रवार को वापस ले ली गई। इस तरह से अखाड़ों के बसावट को लेकर गतिरोध दूर होता दिख रहा है। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद का कहना है कि अखाड़ों के बीच का गतिरोध दूर हो गया है। उन्होंने साथ मिलकर सनातनी परंपरा को आगे बढ़ाने की बात कही है। इसके अलावा सभी अखाड़ों ने जमीन निरीक्षण के बाद निर्धारित स्थान पर बसाए जाने पर सहमति दे दी है। उन्होंने बताया कि दो–तीन दिनों में जमीन आवंटित कर बसावट शुरू कर दी जाएगी। मेलाधिकारी ने बताया कि परंपरा के तहत अन्य संस्थाओं को भी भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मेला प्रशासन की ओर से सात अखाड़ों अग्नि, आवाह्न, जूना, निरंजनी, आनंद, बड़ा उदासीन एवं नया उदासीन को ध्वजा दंड के लिए शुक्रवार को लकड़ी भी उपलब्ध करा दी गई। लड़की नैनी यूनाइटेड कॉलेज के आगे से दी गई है। अखाड़ों के संतों ने ध्वजा दंड की लकड़ी का पूजन भी किया।

सड़क हादसे में घायल दंपती की गई जान, हादसे में मरने वालों की संख्या तीन हुई

प्रयागराज। अयोध्या से दर्शन करके लौटते समय सड़क हादसे के शिकार हुए दंपती की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। इनका उपचार एक निजी अस्पताल में चल रहा था। हादसे

में एक दस वर्षीय बालक की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसा मऊआइमा थाना क्षेत्र के जोगापुर गल्ला आढ़त के पास शुक्रवार को भोर में हुआ था। दंपती की मौत के बाद हादसे में जान गंवाने वालों की संख्या तीन पहुंच गई है। मध्य प्रदेश के रीवा गल्ला मंडी गोविंद गढ निवासी शैलेंद्र कुमार गुप्ता अपने परिजनों और रिश्तेदारों को दो कार से लेकर अयोध्या दर्शन करने गए थे। वापसी के समय भोर में लगभग तीन बजे कार मऊआइमा इलाके के जोगापुर गल्ला आढत के पास आढ तिरछा खडी ट्रकों में कार पीछे से घुस गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को निकाला था। अस्पताल पहुंचने से पहले ही शिवांशु गुप्ता (10) पुत्र फूलचंद की मौत हो गई थी, जबकि शैलेंद्र कुमार (45) और उनकी पत्नी कमलेश देवी (40) समेत सात लोग घायल हो गए थे। दंपती की हालत नाजुक बनी हुई थी। उपचार के दौरान दंपती की शनिवार को मौत हो गई। घायल पलक गुप्ता (18) पुत्री अरविंद, सेजल (23) पुत्री फूलचंद्र, तनु (13) ,पीहू (19) का उपचार चल रहा है।

प्रयागराज में करंट से अधेड़ की मौत: पंपिंग सेट चालू करते समय हुआ हादसा, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

मेजा। प्रयागराज के मांडा थाना क्षेत्र के सोनबारसा गाव में पपिंग सेट चलू करने गए अधेड की करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया है। जानकारी के अनुसार मांडा थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव निवासी दूधनाथ कुशवाहा 50 वर्ष शनिवार की दोपहर घर पर लगे पंपिंग सेट चालू कर रहे थे। इस दौरान अचानक वह करंट की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। परिजनों उन्हें सीएचसी मांडा इलाज के लिए ले गए जहां डाक्टरों ने अधेड़ को मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना परिजनों को हुई तो घर में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव पीएम को भेजा उक्त घटना की सूचना पर दरोगा ए के उपाध्याय, पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शहर भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। उधर घटना को लेकर मृतक अधेड़ के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। बताया जा रहा है कि पंपिंग मशीन में लगा बिजली का तार पहले से ही कटा हुआ था। अधेड़ ने ध्यान नहीं दिया और करंट की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

प्रयागराज के शंकरगढ़ में दिख रहा है सड़कों पर अवैध कब्जा

प्रयागराज। प्रयागराज के शंकरगढ़ के डाकघर के सामने ज्यादातर जगहों पर सड़कों की आड़ में धड़ल्ले से अवैध कब्जे किए जा रहे हैं। जहां भी सड़कें बनाई जाती हैं उस जगह की चौड़ाई सरकारी रिकॉर्ड में ज्यादा होती है जबकि उसे बनाते समय कम चौड़ा किया जाता है। जिससे उस जगह के आसपास रहने वाले मौका देखते ही उस खाली पड़ी सरकारी जगह पर पहले तो लोहे की चादर डालकर कब्जा कर लेते हैं और बाद में प्रशासन की लापरवाही के चलते उस पर पूरी तरह से कब्जा कर पक्का निर्माण कर लेते हैं। शंकरगढ़ में करीब 80: से ज्यादा सड़कें और रास्ते सिकुड़ चुके हैं, इनका खामियाजा भी लोगों को ही भुगतना पड़ता है। कुछ ऐसा ही नजारा शंकरगढ़ सदर बाजार डाकघर के सामने सड़क के पूरब तरफ का भी है। जहां पर सरकारी रिकॉर्ड में 45 से 50 फीट है जबकि संबंधित विभाग ने सड़कें केवल 15 से 20 फीट ही चौड़ी बनाई गई हैं, जिस कारण बाकी बची सरकारी जमीन के मालिक आसपास के वरिष्ठ पत्रकार व दुकानदार ही बन बैठे हैं। अब तो हालात यह हो गए हैं कि किसी को अगर दुकान से सामान लेना व डाकघर जाना हो तो उसे अपने वाहन सड़क पर ही खड़ा करना पड़ता है, जिससे जाम की समस्या बढ़ जाती है। इस जगह सड़क इतनी ज्यादा सिकुड़ चुकी है कि करीब 15 से 20 फीट की सड़क से स्कूली वाहन का निकालना भी मुश्किल होता है।

बेटे को वंदे भारत पर चढ़ा रहे थे पिता, फिर हुआ ऐसा हादसा वो भी पहुंच गए दिल्ली

प्रयागराज। वंदे भारत एक्सप्रेस से जा रहे किसी यात्री को अगर आप स्टेशन छोड़ने गए हैं तो ट्रेन में चढ़ने से बचें। क्योंकि, अगर का दरवाजा बंद हो गया तो अगले स्टॉपेज पर ही उतरने का मौका मिलेगा। शुक्रवार को ऐसा ही वाकया कानपुर के एक व्यक्ति के साथ हुआ, जो अपने पुत्र को ट्रेन में बैठाने के लिए सी–6 चेयर में चढ़ गए। इस दौरान ट्रेन चल दी तो वह कानपुर से सीधे नई दिल्ली पहुंच गए। इतना ही नहीं उन्हें

2870 रुपये का जुर्माना भी देना पड़ा। बताया जा रह रहा है कि कानपुर के राम विलास यादव अपने पुत्र को 22415 वाराणसी–नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस में बैठाने के लिए चेयर कार श्रेणी के सी–6 कोच में चढ़ गए। इस बीच ट्रेन के अंदर एनाउंसमेंट भी हुआ कि करवाजे बंद होने वाले हैं। जब तक राम विलास बाहर निकलते, तब तक ट्रेन का दरवाजा बंद हो गया। इसके बाद वह अंदर ही अंद लोको पॉयलट के केबिन तक पहुंच गए। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि उन्होंने ट्रेन रुकवाने का प्रयास किया। इस दौरान चेकिंग स्टाफ ने उन पर 2870 रुपये हर्जाना भी लगाया। इस वाकये के बाद एनसीआर प्रशासन ने शुक्रवार को एक बार फिर से एडवाइजरी जारी की।

22 जिला जज व दो एडीजे रैंक के न्यायिक अधिकारी किए गए स्थानांतरित, हाईकोर्ट ने जारी की अधिसूचना

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अधिसूचना जारी कर 22 जिला जजों एवं दो एडीजे रैंक के न्यायिक अधिकारियों का एक से दूसरे जिले में स्थानांतरण किया है। बबिता रानी को जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहारनपुर से इसी पद पर शाहजहांपुर, जिला एवं सत्र न्यायाधीश शाहजहांपुर ब्रह्मदेव शर्मा को मुरादाबाद, रवींद्र नाथ दुबे को भूमि अधिग्रहण पुनर्वास एवं रिसेटेलमेंट प्रयागराज से कॉमर्शियल कोर्ट गौतमबुद्ध नगर, तरुण सक्सेना को रायबरेली से जिला एवं सत्र न्यायाधीश सहारनपुर स्थानांतरित किया गया है। सुधीर कुमार पंचम को मैनपुर से बरेली, रणंजय कुमार वर्मा को फतेहपुर से अयोध्या, रामेश्वर को मऊ से कासगंज, पंकज कुमार अग्रवाल को बदायूं से मैनपुरी, मनोज कुमार तृतीय को सीतापुर से बदायूं, संजीव शुक्ला को आजमगढ़ से हरदोई, जयप्रकाश पांडेय को सुल्तानपुर से आजमगढ़, सैय्यद एसएमबी असीम कासगंज से लखीमपुर खीरी, डॉ.अजय कुमार द्वितीय को मुरादाबाद से मुजफ्फरनगर, विनय कुमार द्विवेदी को मुजफ्फरनगर से बस्ती, अनमोल पाल को मिर्जापुर से फतेहपुर, सुनील कुमार चतुर्थ को चंदौली से मऊ, राजकुमार सिंह को हरदोई से रायबरेली स्थानांतरित किया गया है। लक्ष्मीकांत शुक्ला को लखीमपुर खीरी से सुल्तानपुर, कुलदीप सक्सेना को बस्ती से सीतापुर, कुनाल वेपा को मोटर दुर्घटना दावा ट्रिब्यूनल गौतमबुद्ध नगर से कॉमर्शियल कोर्ट गौतमबुद्ध नगर, अरविंद कुमार मिश्रा द्वितीय को चेयरमैन स्टेट अपीलेट ट्रिब्यूनल लखनऊ से जिला एवं सत्र न्यायाधीश मिर्जापुर, रवींद्र सिंह को भूमि अधिग्रहण पुनर्वास एवं रिसेटेलमेंट मुरादाबाद से जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंदौली स्थानांतरित किया गया है। वहीं, दिनेश कुमार द्वितीय का एडीजे फास्ट ट्रैक कोर्ट कुशीनगर पडरौना का उसी जिले में उसी पद पर पॉक्सो कोर्ट में व ज्योत्सना सिंह प्रथम को कुशीनगर पडरौना से एडीजे आगरा स्थानांतरित किया गया है।

प्रश्न पत्रों की चौकीदारी में लगाए जाएंगे एआई बेस्ड कैमरे, पेपर लीक रोकेने की कवायद शुरू

प्रयागराज। यूपी बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्रों की चौकीदारी के लिए पहली बार सभी स्ट्रांग रूम में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) बेस्ड कैमरे लगाए जाएंगे। इसके लिए शासन से सहमति मिल गई है। कैमरे लगाने के लिए यूपी बोर्ड को 25 करोड़ रुपये मिल गए हैं। दिसंबर में सेंटर निर्धारण होने के बाद इन कैमरों को स्ट्रांग रूम में लगा दिया जाएगा। प्रदेश में पेपर लीक की बड़ी समस्या है। कड़ी चौकसी के बावजूद पेपर लीक हो जाता है। बोर्ड परीक्षा की ड्यूटी में लगाए गए कुछ लोग ही पेपर लीक में संलिप्त होते हैं। इसे रोकने के लिए इंसानी व्यवस्था पर अब भरोसे की नहीं है। इसलिए अब तकनीक का प्रयोग करते हुए पेपर लीक को रोका जाएगा। पिछले वर्ष यूपी बोर्ड ने कंट्रोल रूम के जरिए तगड़ी निगरानी करते हुए पेपर लीक रोका था। इस बार उससे एक कदम आगे बढ़ते हुए एआई बेस्ड कैमरों से यह काम किया जाएगा। वैसे एआई के प्रयोग को लेकर पिछले तीन वर्ष से मंथन चल रहा था। अफसर यह तय नहीं कर पा रहे थे इसका प्रयोग किस तरह करें। हर बार करोड़ों रुपये यूपी बोर्ड को दिए जाते लेकिन प्रयोग नहीं हो पा रहा था। इस बार यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह की अगुवाई में फिर से एआई के प्रयोग पर मंथन हुआ। चूंकि स्ट्रांग रूप से ही पेपर लीक होता है। इसलिए स्ट्रांग रूम की निगरानी एआई बेस्ड कैमरों से करने का निर्णय हुआ। प्रदेश भर में आठ हजार से अधिक परीक्षा केंद्र बनेंगे। सभी केंद्र पर एक– एक स्ट्रांग रूम बनेगा और उसी में प्रश्न पत्र रखा रहेगा। उसकी निगरानी के लिए पहले भी कैमरा लगाया जाता था लेकिन अब एआई बेस्ड कैमरा लगेगा और उस पर 25 करोड़ रुपये खर्च होगा। यह सभी कैमरे यूपी बोर्ड के कंट्रोल रूम में लिंक रहेंगे। स्ट्रांग रूम के खुलने और बंद होने के समय, उसके अंदर जाने वालों की संख्या आदि का डाटा एआई साफ्टवेयर में फीड कर दिया जाएगा। उससे कुछ भी कम ज्यादा हुआ तो उसका मैसेज बोर्ड के अफसरों के पास पहुंच जाएगा। मैसेज मिलते ही अफसर सक्रिय हो जाएंगे और पेपर लीक करने वाला पकड़ा जाएग। अगर वहां बिजली भी गुल हुई तो उसकी भी सूचना बोर्ड को जाएगी। इस तरह से प्रश्न पत्र की निगरानी होगी। ऐसे में किसी सेंटर से पेपर लीक हुआ तो उसे खोलने वाले तुरंत पकड़े जाएंगे। सचिव ने बताया कि पेपर लीक रुकने से नकल पर काफी हद तक लगाम लग जाएगी।

विषम परिस्थितियों के सिवा नो एडवर्स का प्रस्ताव न्यायिक प्रक्रिया में बाधक, HCBA के पत्र पर कोर्ट खफा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने छठ पर्व पर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से तीन दिन के जारी नो एडवर्स के प्रस्ताव पर सख्त आपत्ति जताई है। कहा कि आमसभा में प्रस्ताव पारित किए बगैर तीन दिन तक अधिवक्ता की अनुपस्थिति में विपरीत आदेश न पारित करने का अनुरोध न्यायिक प्रक्रिया में बाधक है। यह प्रस्ताव के केवल विषम परिस्थितियों में ही लाया जाना चाहिए। यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति अजित कुमार की अदालत ने हाजी तहसीम की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। कहा कि भविष्य में नो एडवर्स ऑर्डर पारित करने का अनुरोध पत्र आमसभा के पारित प्रस्ताव संग आना चाहिए। एकल पीठ से याची के अधिवक्ता ने मामले की शीघ्र सुनवाई का अनुरोध किया था। जबकि, मामले की पुकार हुई तो विपक्षी अधिवक्ता गैर हाजिर रहे। इस पर पीठ सचिव ने अदालत को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव विक्रांत पांडेय की ओर से छठ पूजा के मद्देनजर नो एडवर्स के भेजे गए प्रस्ताव की जानकारी दी। बताया कि बार एसोसिएशन की ओर से सात, आठ और नौ नवंबर तक नो एडवर्स ऑर्डर का अनुरोध किया है। खफा कोर्ट ने विस्तृत जानकारी के लिए बार के अध्यक्ष अनिल तिवारी और महासचिव विक्रांत पांडे को तलब कर पूछा कि क्या इस संबंध में आमसभा की ओर से कोई ऐसा प्रस्ताव पारित किया गया है। यदि है तो उसे अदालत को दिखाया जाए। अध्यक्ष, महासचिव की जगह अदालत में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश खरे पेश हुए। लेकिन, आमसभा का कोई प्रस्ताव नहीं दिखा सके। इस पर नाराज कोर्ट ने कहा कि ऐसे अनुरोध से संवैधानिक अदालत की कार्यवाही को बिना जनता के समय और धन की परवाह किए रोका जा रहा है। जबकि, सभी का उद्देश्य त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है। न्यायालय ने कहा कि बार एसोसिएशन को समझना चाहिए कि अदालतें नियमों के तहत काम करती हैं। उनका कैलेंडर पहले से निर्धारित होता है। प्राकृतिक आपदा, महामारी या किसी अधिवक्ता के साथ अनहोनी जैसी स्थिति को छोड़कर अदालत की कार्यवाही को सामान्यतः प्रभावित नहीं किया जा सकता है। वह भी सिर्फ इसलिए कि कुछ अधिवक्ता निजी धार्मिक और पारंपरिक त्योहार के कारण अदालत आने में असमर्थ हैं।

प्रधानाचार्य के घर से 15 लाख नकदी और जेवर चोरी, पत्नी की मौत पर परिवार के साथ गए थे गांव

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के पंडरिया गांव में प्रधानाचार्य के घर से अलमारी का ताला तोड़कर 12 हजार रुपये नकदी समेत 15 लाख का जेवरात चोर उठा ले गए। राजकुमार सिंह पुत्र

जनार्दन सिंह मूल निवासी ओबरी थाना खीरी। कोरांव के राज शिशु शिक्षा सदन में प्रधानाचार्य हैं। विद्यालय के बगल में ही पड़रिया गांव में निवास बनाकर परिवार सहित रहा करते हैं। 15 दिन पूर्व पत्नी का स्वर्गवास हो जाने पर सभी लोग ओवरी गांव चले गए। इस मकान पर कोई नहीं था। उसी दौरान घर के पीछे से दरवाजे के बगल लगी लोहे की खिड़की काटकर चोर अंदर घुस गए और कमरे में रखी अलमारी तथा बॉक्स का ताला तोड़कर 12000 नकदी समेत पंद्रह लाख का जेवरात उठा ले गए।

चर्च के धार्मिक सभा को पुलिस ने रोका: प्रयागराज के नैनी में कम्युनिटी चर्च का मामला, पुलिस ने कहा नहीं ली आयोजन की इजाजत

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी में स्थित कम्युनिटी चर्च की तरफ से आयोजित होने वाली प्रार्थना सभा को पुलिस ने रोक दिया। पुलिस का कहना था कि आयोजन के लिए कोई इजाजत नहीं दी गई है। उसके बाद भी चर्च की तरफ से आयोजन किया जा रहा था। वहीं मसीही समाज का कहना है कि उन्होंने आयोजन के लिए इजाजत मांग थी, लेकिन जिला प्रशासन की तरफ से अभी तक इसको लेकर कोई इजाजत नहीं दी गई है। समाज के लोग प्रशासन से इजाजत मिल सके, इसके प्रयास में जुटे हैं। जिससे प्रार्थना सभा का भव्य आयोजन हो सके। मतांतरण को लेकर तेज थी चर्चा शुआट्स में मतांतरण को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है। इसको लेकर कई प्रकार के विवाद भी सामने आ चुके हैं। जो मामला हाईकोर्ट में चल रहा है। ऐसे में प्रार्थना सभा के दौरान लोगों का मतांतरण कराने की तैयारी को लेकर भी चर्चा तेज थी। हालांकि चर्च से जुड़े आयोजक कमेटी के सदस्य जितेंद्र नाथ का कहना है कि इस प्रकार की बातें बकवास हैं। कोई भी मतांतरण की व्यवस्था नहीं थी। यह अफवाह है। चर्च की तरफ से धार्मिक सभा का आयोजन किया जाना था। इसके लिए बाहर से वक्ता को बुलाया गया था। पहले भी लगे हैं आरोप संगम नगरी प्रयागराज में शुआट्स में लगने वाले यीशु दरबाद में धर्म परिवर्तन कराने को लेकर आरोप लगते रहे हैं। हालांकि शुआट्स प्रशासन लगातार खारिज करता रहा है। ऐसे में कम्युनिटी चर्च में होने वाले आयोजन को लेकर वाट्सअप पर तेजी से सूचनाएं वायरल होने लगी। उधर पुलिस प्रशासन का कहना है कि आयोजन के लिए इजाजत लेना अनिवार्य है, जबकि चर्च प्रशासन की तरफ से कोई इजाजत नहीं ली गई थी।

प्रयागराज में महाकुंभ के मौके पर नहीं वसूला जाएगा टोल–टैक्स

प्रयागराज। महाकुंभ के दौरान 45 दिन तक रीवा राजमार्ग पर गन्ने टोल, मीरजापुर मार्ग पर मुंगारी टोल, वाराणसी मार्ग पर हंडिया टोल, कानपुर मार्ग पर कोखराज टोल, लखनऊ राजमार्ग

पर अंधियारी टोल, अयोध्या राजमार्ग पर मऊआइमा टोल पर श्रद्धालुओं के वाहनों से टोल नहीं लिया जाएगा। लेकिन उन भारी वाहनों से टोल टैक्स लिया जाएगा, जो कामर्शियल हैं और उन पर माल लदा होगा। उदाहरण के तौर सरिया, सीमेंट, बालू, इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रानिक्स समेत अन्य सामान जिन ट्रकों अथवा वाहनों पर लदे होंगे, उनसे टोल लिया जाएगा। सभी तरह के जीप–कार से टोल नहीं लिया जाएगा, चाहे उनका कामर्शियल में ही पंजीयन हो। इस बार भी महाकुंभ मेला के दौरान निजी वाहनों से आने वाले श्रद्धालुओं से टोल टैक्स नहीं लिया जाएगा। यह छूट पूरे महाकुंभ की अवधि तक रहेगी। इसके लिए प्रक्रिया शुरू हो गई है। पिछले कुंभ 2019 में भी टोल टैक्स नहीं लिया गया था।

प्रयागराज में दो बाइकों की टक्कर: एक की मौत और एक गंभीर रूप से घायल, भारतगंज पुलिस चौकी के पास की घटना

प्रयागराज। प्रयागराज के मेजा क्षेत्र के भारतगंज पुलिस चौकी के समीप दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दो बाइकों की आमने– सामने जोरदार टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। जबकि दुसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस घायल को इलाज हेतु भेजकर, शव कब्जे में लेकर जांच में जुट गई है। घटना को लेकर मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। ससुराल जा रहा था मृतक मांडा थाना क्षेत्र के सकरी भौसरा निवासी रमेश हरिजन (30) पुत्र दयाशंकर पिकअप चालक थे। बीती रात वह बाइक से अपने ससुराल भारतगंज के शिरोमणिपुर जा रहे थे। उधर हंडिया के महेश मिश्र बाइक से मांडा जा रहे थे। तभी अज्ञात अपाची सवार की ठोकर से उक्त दोनों युवकों की बाइक की आमने सामने टक्कर हो गई। इससे दोनों बाइक चालक बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पर पहुचे इंस्पेक्टर शैलेन्द्र सिंह, भारतगंज चौकी प्रभारी विनय सिंह ने दोनों घायलों को सीएचसी भेजा। जहां रमेश को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि महेश को गंभीर स्थिति में जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बिलख पड़े परिजन उधर घटना की सूचना पर मृतक की पत्नी बबिता व दो वर्षीय बेटी अनन्या घटनास्थल पहुंची। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। बताया जा रहा है कि मृतक ज्यादातर ससुराल में ही रहता था। मृतक के पिता बाहर नौकरी करते हैं। घटना से गांव व ससुराल में मातम छा गया है। इस मामले में पुलिस का कहना है कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पीएम को भेजा जा रहा है।

मानव और प्रकृति के बीच रिश्ता कायम करती है-आंवला नवमी

डॉ०प्रदीप चित्रांशी

प्रयागराज।भारत की मूल संस्कृति ,गाँव के आँगन में पलती है जहाँ वृक्ष, नदी और पर्वत को पवित्र मानकर त्योहार मनाने की परम्परा आज भी विद्यमान है। यही परम्परा पर्यावरण–संरक्षण में महत्वपूर्ण तथा सकारात्मक भूमिका अदा कर,मानव और प्रकृति के बीच आत्मीय रिश्ता कायम करती है। रामायण, महाभारत, गीता और पुराणों आदिक धार्मिक ग्रंथों में पेड़–पौधों को संरक्षित करने के लिए नसीहतों के साथ उन्हें देवतुल्य भी बताया गया है। वेद में वृक्षों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा गया है कि वृक्षों में देवता का वास होता है।

मूलतः ब्रह्मरूपाय मध्यतो विष्णःपिणें

अग्रतः शिवरूपाय वृक्षराजाए ते नमः।

अर्थात वृक्ष के मूल में ब्रह्मा,मध्य में विष्णु और शिरोभाग में शिव का वास होता है।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति के विभिन्न अंगों को देवता तुल्य मानकर उनकी पूजा–अर्चना की जाती है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को आंवला के वृक्ष की पूजा का विधान है जो धार्मिक ग्रंथों और लोककथाओं में वर्णित है। आंवला युफोरबिएसी परिवार का पौधा है। यह भारतीय मूल का एक महत्वपूर्ण फल है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। जैसे–हिन्दी में आंवला, संस्कृति में धात्विक या आमलकी, बांग्ला एवं उड़िया में अमला या मालकी, तमिल और मलयालम में नेल्लोर, तेलगु में अमलीजामा, गुरुमुखी में अमोल फल और अंग्रेजी में ऐप्लिकेशन, माइरोबालान या इंडियन गूजबेरी के नाम से जाना जाता है। अपने अद्वितीय औषधीय एवं पोषक गुणों के कारण भारतीय पौराणिक लोककथाओं में अद्भुत छटा बिखेरते हुए अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराते हुए दिखाई देते हैं। आंवले की पूजा के पीछे पौराणिक कथाएँ प्रचलित हैं। एक कहावत में जिस तरह आदिदेव शिवजी के आँसुओं से रुद्राक्ष की उत्पत्ति हुई उसी प्रकार ब्रह्मा जी के आँसुओं से आँवले के पेड़ की उत्पत्ति हुई है। कहा जाता है कि जब पूरी पृथ्वी जलमग्न हो गई थी तब ब्रह्मा जी के मन में सृष्टि दुबारा शुरू करने का विचार आया,विचार आते ही ब्रह्मा जी परब्रह्म की तपस्या करने लगे। ब्रह्मा जी की तपस्या से खुश होकर भगवान विष्णु प्रकट हुए जिन्हें देखकर ब्रह्मा जी रोने लगे और उनके आँसू भगवान विष्णु के चरणों पर गिरने लगे।ब्रह्मा जी के इन्हीं आँसुओं से आँवले के वृक्ष की उत्पत्ति हुई। दूसरी कथा में कार्तिक के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर आँवले के वृक्ष की पूजा करने से माँ लक्ष्मी जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। कथा के अनुसार प्राचीन काल में कार्तिक के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर आँवले के वृक्ष के नीचे महादेव और भगवान विष्णु जी की पूजा की थी। उसी समय से इस तिथि पर आँवले के पूजन की परम्परा शुरू हो गई। पद्म पुराण के अनुसार अक्षय नवमी के दिन जो व्यक्ति व्रत व पूजन करते हैं वे सब पापों से मुक्त हो जाते हैं। एक अन्य कथा के अनुसार चँदाला नाम का एक व्यक्ति जब फल तोड़ने के लिए पेड़ के ऊपर चढ़ रहा था,उसी समय उसका पैर फिसल गया।पेड़ से गिरते समय उसकी मौत हो गई। मृत्यु के पश्चात यमराज जी उसकी आत्मा लेने आए मगर नहीं ले जा सके क्योंकि मृत्यु से पूर्व उसने आँवले की पूजा की थी और प्रसाद ग्रहण किया था। बौद्ध धर्म में इस फल से जुड़ी अत्यंत महत्वपूर्ण कथा के अनुसार यह फल अशोक द्वारा बौद्ध संघ को दिया गया अन्तिम उपहार है।

जिसका विवरण अशोकावदान में मिलता है । इसके अतिरिक्त कई पौराणिक कथाएँ प्रचलित हैं। इन्हीं पौराणिक कथाओं की चर्चा करते हुए स्त्री और पुरुष नवमी के दिन आँवले के वृक्ष की पूजा करते हुए, वृक्ष के नीचे भोजन कर, अपने परिवार की संपन्नता के लिए मंगलकामना करते हैं।

थाना समाधान दिवस में अफसरों ने सुनीं शिकायतें, राजस्व एवं पुलिस टीम का हुआ गठन

लालगंज, प्रतापगढ़। थाना समाधान दिवस में लालगंज कोतवाली में तेरह शिकायतों में से अफसर एक का भी निस्तारण नही कर सके। समाधान दिवस में एसडीएम नैंनसी सिंह तथा प्रशिक्षु सीओ शशांक त्रिपाठी ने शिकायतों की संयुक्त रूप से सुनवाई की। एसडीएम ने समाधान दिवस में जमीन सम्बन्धी प्रार्थना पत्रों पर क्षेत्रीय लेखपालों को तलब कर मौके पर समाधान कराए जाने के कडे निर्देश दिये। पुलिस से सम्बन्धित प्रार्थना पत्रों पर ट्रेनी सीओ शशांक ने सुनवाई करते हुए हलके मे तैनात उप निरीक्षकों को जांच के आदेश दिये। ज्यादातर शिकायतें जमीनी विवाद से जुडी दिखी। वहीं लीलापुर थाने पर सीओ रामसूरत सोनकर ने शिकायतों की सुनवाई की। यहां आई सात शिकायतों पर सीओ ने राजस्व एवं पुलिस टीम का गठन कराते हुए फरियादियों को समाधान का भरोसा दिलाया। इधर प्रभारी तहसीलदार पंकज कुमार ने उदयपुर तथा सांगीपुर थाने में पहुंचकर समाधान दिवस की शिकायतों को सुना। उदयपुर में ग्यारह शिकायतों में निस्तारण शून्य रहा। वहीं सांगीपुर में ग्यारह में से पांच का निस्तारण हुआ। प्रभारी तहसीलदार ने दोनों थानों पर मिले प्रार्थना पत्रों के बाबत सम्बन्धित को त्वरित निस्तारण कराए जाने के निर्देश दिये हैं।

विधिक सेवा दिवस पर अधिकारों को लेकर दी गयी जागरूकता

लालगंज, प्रतापगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में शनिवार को यहां नारी संघ कार्यालय पर विधिक सेवा दिवस का आयोजन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिकार मित्र निरंजन प्रकाश तिवारी ने बताया कि विधिक सेवा दिवस का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों के लोगों को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करना एवं लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। उन्होनें कहा कि भारत के कमजोर वर्गों और गरीब समूह को विधिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर देश में विधिक सेवा दिवस मनाने की शुरुआत न्याय के क्षेत्र में प्रभावी भूमिका में है। कार्यक्रम में लोकप्रिय जनहित एनजीओ के कार्यक्रम समन्वयक अमरेंद्र मिश्रा ने संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य के बारे मे विस्तार से बताया। अधिवक्ता अलोक कुमार शुक्ला ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जा रही विधिक सहायता के बारे में जानकारियां दी। नारी संघ की रीना ने महिला अधिकार को प्राप्त करने के लिए लीगल ऐड क्लिनिक लालगंज द्वारा प्रदान की जा रही सेवा को लेकर जागरूकता प्रदान की। इस मौके पर मीना, सरिता, अखिलेश आदि मौजूद रहे।

एनयूजेआई प्रयागराज की मासिक बैठक सम्पन्न, महाकुंभ 2025 की तैयारी को लिए गये महत्वपूर्ण फैसले

नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट एसोसिएशन प्रयागराज इकाई की मासिक बैठक वरिष्ठ संरक्षक पवन द्विवदी की मौजूदगी में संगठन के जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई।इस बैठक में आगामी महाकुंभ 2025 के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि 2025 में होने वाले महाकुंभ की रिपोर्टिंग करने के लिए बिना किसी रूकावट के पत्रकारों को सुविधा मिले इसके लिए एनयूजेआई

प्रयागराज इकाई के द्धारा एक कमेटी का गठन किया गया है।कमेटी महाकुंभ मेले में पत्रकारों की सुविधा के लिए प्रशासन से सम्पर्क करेंगी।गठित की गई कमेटी मे एनयूजेआई के संरक्षक पवन द्विवेदी व संरक्षक परवेज आलम तथा उपाध्यक्ष मिथलेश त्रिपाठी,मंत्री मधुर दरबारी,मंत्री शिवकुमार पांडेय तथा राजीक कार्यकारिणी के नेतृत्व में काम करेंगी।अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने कहा कि एनयूजेआई महाकुंभ मेले में अपना कैंप कार्यलय लगाएंगी।जिसमे महाकुंभ की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को विशेष सुविधा दी जाएगी। संरक्षक पवन दिवेदी ने कहाँ कि यह कमेटी मेला प्रशासन जिला प्रशासन तथा मिडीया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर महाकुंभ 2025 पर देश दुनिया मे बेहतर संदेश देने का कार्य करेगा । संरक्षक परवेज आलम ने कहाँ कि हम मेला प्रशासन जिला प्रशासन से एनयूजे बेहतर सामंजस्य के साथ महाकुंभ 2025 का बेहतर रिपोर्टिंग के साथ एनयूजे स्नार्थियो को सहयोग भी करेगा । मासिक बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, संरक्षक पवन द्विवेदी,संरक्षक परवेज आलम डॉ सुधाकर पांडेय, धर्मेंद्र कुमार श्रीवास्तव,बीरेद्रं श्रीवास्तव अभय शंकर पान्डेय जिया सिदीकी संतोष सिंह मिथलेश त्रिपाठी महामंत्री राजीव कुमार सिंह अखिलेश शुक्ला संगठन मंत्री मंत्री ,मधुर दरबारी, , इरफान खान,असद कुरैशी शिव कुमार पान्डेय रंजीत निषाद सौरभ कुमार आदर्श राजीक आमीर अंसारी आलोक मालवीय,वरिष्ठ फोटोग्राफर अजय कुशवाहा ब्रिजेश विश्वकर्मा मो आलम ,प्रतीक,, सुहेल हनीफ, नागेंद्र सिंह मंत्री लखनऊ जिला इकाई आदि उपस्थित थे।

नैतिक जीवन में ही प्रभु की आराधना हुआ करती है फलदायी-आचार्य आनन्द शुक्ल

आमीशंकरपुर में कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में आनंदित हुए श्रद्वालु

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर क्षेत्र के आमीशंकरपुर में श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में शनिवार को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की महिमा सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। जन्मोत्सव पर पाण्डाल में मौजूद श्रद्धालुओं ने भजन संकीर्तन के साथ कन्हैया की पालकी पर पुष्पवर्षा भी की। कथाव्यास आचार्य आनन्द शुक्ल जी महराज ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म अधर्म के विनाश का शाश्वत संदेश लेकर हुआ। उन्होनें कहा कि द्वारिकाधीश ने जन्मोत्सव की लीला में ही धरती पर आततांइयों के वध का शंखनाद हुआ। आचार्य आनन्द शुक्ल जी ने कहा कि धर्म का पालन करने वाला कभी दुःख की अनुभूति नही किया करता। उन्होनें कहा कि भगवान की आराधना का उत्सव हमें दूसरों की पीड़ा में उसकी सहायता किये जाने का भी संदेश दिया करता है। उन्होनें कहा कि धर्म और भगवान सदैव उसी पर अनुकम्पा किया करते हैं जो जीवन को नैतिक आचरण के अनुरूप जीने की कला रखता है। कथाव्यास ने कहा कि कथा के श्रवण को जीवन के सिद्धांत के रूप में आत्मसात करना चाहिए। उन्होनें कहा कि पुण्य की कामना नहीं बल्कि सच्चे मन से ईश्वर की आराधना फलदायी हुआ करती है। संयोजक अजय पाण्डेय व सुरभि पाण्डेय ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। सह संयोजक अमित पाण्डेय व मधू ने महाप्रसाद वितरण में सराहनीय योगदान दिया। इस मौके पर शिवप्रसाद पाण्डेय, अशोक पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, अरविंद पाण्डेय, पंकज पाण्डेय, आशीष तिवारी, संगीता पाण्डेय, अनीता तिवारी, प्रमोद सिंह, राजेश दुबे आदि रहे।

चार आरोपियों के खिलाफ मारपीट व धमकी का केस

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने मारपीट व गालीगलौज को लेकर चार आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज किया है। लालगंज के मोहददीनगर जमालपुर निवासी सूरतलाल के पुत्र लल्लू प्रसाद ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती एक नवंबर को रंजिश को लेकर गांव के विनोद यादव पुत्र रामबहादुर व अनोद यादव पुत्र राजबहादुर तथा अंचल व चंचल पुत्रीगण साहबलाल यादव ने एकराय होकर उसे लाठी डंडों से मारपीट कर चुटहिल कर दिया। शोर मचाने पर आरोपियों ने गालीगलौज करते हुए जानलेवा धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी विनोद समेत चार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सत्तर लीटर कच्ची शराब बरामद, आरोपियों के खिलाफ केस

लालगंज, प्रतापगढ़। लीलापुर पुलिस ने छापेमारी कर सत्तर लीटर कच्ची शराब बरामद किया है। पुलिस ने अवैध शराब के कारोबारी को लेकर पांच आरोपियों को हिरासत में भी लिया है। लीलापुर में तैनात उप निरीक्षक ज्योती सिंह ने फोर्स के साथ शनिवार को सुबह हण्डौर बल्दियान गांव में आकस्मिक छापेमारी की। दरोगा ने यहां गांव के बबलू पुत्र लल्लूराम तथा बबलू की पत्नी नीलम एवं मोती लाल के पुत्र रामकुमार तथा मोतीलाल व इनकी पत्नी चटकीला के पास से सत्तर लीटर कच्ची शराब बरामद की। पुलिस ने मौके पर शराब बनाने के उपकरण बरामद करते हुए ढाई क्विंटल लहन भी नष्ट कराया। आरोपियों के खिलाफ दरोगा की तहरीर पर आबकारी अधिनियम का केस दर्ज किया गया है।

भाजपा के लोग करते हैं झूठे वादे, काम नहीं करते : शिवपाल यादव

लखनऊ,(एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और विधायक शिवपाल यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के खिलाफ पूरे देश और प्रदेश में चर्चा है कि ये लोग झूठे वादे करते हैं और कोई काम नहीं करते। सपा नेता शिवपाल ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चुनाव में अगर प्रशासन का दुरुपयोग होगा, तो जनता मुकाबला करेगी। यहां की जनता मन बना चुकी है और भाजपा के खिलाफ मतदान करेगी। हमारा आयोग से निवेदन है कि चुनाव निष्पक्ष कराया जाय।

संयुक्तमुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान की खंगाली हकीकत

मतदेय केन्द्रों के निरीक्षण में दिये गये अभियान को लेकर पारदर्शिता के निर्देश

लालगंज, प्रतापगढ़। मतदाता सूची में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान को लेकर शनिवार को संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदेय स्थलों का भ्रमण किया। संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष शुक्ला लालगंज तहसील के प्राथमिक विद्यालय खजुरी, मॉडल प्राथमिक विद्यालय शीतलमऊ, राम अंजोर मिश्र इण्टर कालेज तथा प्राथमिक विद्यालय धधुआ गाजन पहुंचे। एसडीएम नैंनसी सिंह के साथ आकस्मिक निरीक्षण में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने मतदेय स्थलों पर बीएलओ से संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत फार्म पूर्ण किये जाने के बाबत वांछित सूचनाएं हासिल की। उन्होनें सभी बीएलओ से पुनरीक्षण अभियान में मतदाताओं के नाम बढ़ाए तथा घटाए जाने को लेकर पारदर्शिता के कडे निर्देश दिये। उन्होने मतदेय स्थलो पर निर्वाचन के समय मानक के अनुरूप सुविधाओं के बारे में भी जानकारियां ली। एसडीएम नैंनसी सिंह ने उन्हें अभियान को लेकर तहसील के मतदेय स्थलों पर बीएलओ द्वारा उत्तरदायित्वों को लेकर जानकारियां प्रदान की। निरीक्षण के दौरान प्रभारी तहसीलदार पंकज कुमार तथा निर्वाचन पटल के सहायक सुरेश यादव भी मौजूद रहे।

पट्टी में साथियों के उत्पीड़न को लेकर संघर्ष को लेकर हुआ मंथन, रूरल बार के अध्यक्ष ने डीएम को पत्र लिखकर जतायी नाराजगी

लालगंज, प्रतापगढ़। जिले के पटटी तहसील में अधिवक्ताओं के खिलाफ केस दर्ज होने को लेकर शनिवार को यहां संयुक्त अधिवक्ता संघ की हुई बैठक में रणनीतिक चर्चा हुई। संघ के अध्यक्ष संदीप सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में साथियों के खिलाफ उत्पीडन को लेकर जारी संघर्ष में एकजुटता का संकल्प जताया गया। वहीं आल इण्डिया रूरल बार एसोशिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने डीएम को पत्र लिखकर पटटी में दो नामजद तथा अज्ञात अधिवक्ताओं के खिलाफ पुलिस द्वारा बिना जांच कराए केस दर्ज करने की प्रक्रिया पर कडी नाराजगी जतायी है। उन्होनें डीएम को लिखे पत्र में कहा है कि अधिवक्ताओं के खिलाफ एक अधिकारी द्वारा मनमुवाफिक तथा मनगढ़ंत तहरीर पर बिना जांच किये मुकदमा कायम करना पूरी तरह अनुचित है। उन्होनें पत्र में डीएम से कहा है कि इस प्रकार की कार्रवाई पूरी तरह से प्रशासन के द्वारा अधिवक्ताओं के उत्पीडन की दूषित मंशा को उजागर कर गया है।

उन्होनें साथी अधिवक्ताओं के खिलाफ लिखाई गयी एफआईआर को प्रथम दृष्टया ही संदिग्ध तथा तथ्यविहीन करार देते हुए इसे फौरन निरस्त कराए जाने की भी मांग उठायी है। उन्होनें कहा है कि यदि पटटी के अधिवक्ताओं के खिलाफ एफआईआर निरस्त नही हुई तो पूरे जनपद के अधिवक्ता एकजुट होकर संघर्ष के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर संयुक्त अधिवक्ता संघ के महामंत्री सूर्यकांत निराला, उपाध्यक्ष बालेन्द्र त्रिपाठी, अनिल त्रिपाठी महेश, विकास मिश्र, विभाकरनाथ शुक्ल, प्रमोद सिंह, शैलेन्द्र सिंह, आशीष तिवारी आदि अधिवक्ता रहे।

'विश्वनाथ में प्रातः कालीन सूर्य को अर्घ्य देकर व्रतधारी ने चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा धूमधाम से संपन्न किया'

'व्रतियों ने एक दूसरे व्रतियों को माथे पर सौभाग्य सिंदूर लगाकर अपना पारण किया'

'असंख्य श्रद्वालुओं का छठ घाटों पर भीड़ उमड़ी'

विश्वनाथ, स विश्वनाथ जिले में सूर्योपासना व आस्था का महापर्व छठ पूजा का आज कल प्रातः कालीन भास्कर को अर्घ्य देकर व्रतधारी ने चार दिवसीय छठ पूजा संपन्न की ।साथ ही व्रतियों ने पारण कर 36 घंटा निर्जला व्रत का खंडन किया । प्रातः तीन बजे व्रतधारी घाट पहुँच कर छठ मईया की उपासना एवं उदय भास्कर को अर्घ्य देने के लिए पूजा अर्चना की। छठ घाट में व्रतियों ने कोसी भरने की परंपरा की छटा बिखेरी। विश्वनाथ चारिआलि के आमबाड़ी में स्थित केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के पंडाल में श्रद्धालुओं का तॉता लगा रहा है , सभी धर्मावलंबियों के लोगों ने छठ पूजा का आनंद उठाया। इस घाट में प्रायः चार सौ से अधिक व्रतधारी ने छठ पूजा करके उगते हुए आदित्य को विभिन्न ऋतु फलों, ठेकुआ, मिष्ठान से सजे सूप व टोकरी से अर्घ्य देकर भास्कर को दूध अर्पित किया।इस घाट में व्रतधारी के होठों से पारंपरिक मधुर छठ मईया को गुनगुनाते हुए देखा गया। इस मौके पर केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के वरिष्ठ सलाहकार गेशर प्रसाद साहू, गया प्रसाद गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष राजु प्रसाद, पूर्व उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश गुप्ता, पूर्व सचिव क्रमशः दिलीप सिंह, अखिलेश रौनियार, वर्तमान अध्यक्ष बलवीर राय,महासचिव अयोध्या प्रसाद गुप्ता , कोषाध्यक्ष सुधीर जयसवाल, अनिल साहू लव रौनियार, विश्व हिंदू परिषद विश्वनाथ जिलासचिव इंद्रजीत गुप्ता आदि मौजूद थे। विहिप जिलासचिव इंद्रजीत गुप्ता ने प्रातः कालीन सूर्य को अर्घ्य देकर भगवान् भास्कर से देश में सुख–शांति और मंगलमय की कामना की। यहाँ घाट दुल्हन की तरह सजी थी, जिसमें असंख्य श्रद्धालु मौजूद थे। साथ ही व्रतियों ने सूर्य देव को पूजा अर्चना कर देश की सुख समृद्धि कामना की ।व्रतियों ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद महिलाओं के माथे पर सौभाग्य सिंदूर लगाकर प्रसाद स्वरूप पकवान और फलों का वितरण किया गया। इधर विश्वनाथ चारालि स्थित पश्चिम चारालि छठ पूजा समिति फलफली बाकरी के तत्वावधान में छठ पूजा धूमधाम से मनाया गया।समिति के अध्यक्ष अरविंद गुप्ता, उपाध्यक्ष राजदेउ साहू, महासचिव रामकुमार ठाकुर,कोषाध्यक्ष बबलू गुप्ता आदि सदस्य के नेतृत्व में छठ घाट एक अहम पहचान बनाई है।बालिचागं में श्री श्री छठ पूजा उद्यापन समिति ने भी छठ घाट पर व्रतधारी के लिए सभी सुव्यवस्था किया था ।सुबह व्रतधारी को पंक्तिबद्ध तरीके से पूजारी ने दूध से भास्कर को अर्घ्य अर्पित कराया ।घाट पर छठ पूजा का छटा छाया रहा ।उल्लेखनीय है कि जिले के असम –अरुणाचल सीमावर्ती डफलागढ़, बाघमारी, बिहाली, हेलम, बेदेती , बरगांग, मोनाबाड़ी, बाघमारी ,सोतिया, ईटाखोला और विश्वनाथ घाट में भी आस्था का महापर्व छठ पूजा का छटा बिखेरी हुई थी।

देकर व्रतधारी ने चार दिवसीय छठ पूजा संपन्न की ।साथ ही व्रतियों ने पारण कर 36 घंटा निर्जला व्रत का खंडन किया । प्रातः तीन बजे व्रतधारी घाट पहुँच कर छठ मईया की उपासना एवं उदय भास्कर को अर्घ्य देने के लिए पूजा अर्चना की। छठ घाट में व्रतियों ने कोसी भरने की परंपरा की छटा बिखेरी। विश्वनाथ चारिआलि के आमबाड़ी में स्थित केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के पंडाल में श्रद्धालुओं का तॉता लगा रहा है , सभी धर्मावलंबियों के लोगों ने छठ पूजा का आनंद उठाया। इस घाट में प्रायः चार

सरकारी स्कूलों को लेकर आम आदमी पार्टी का प्रदर्शन

लखनऊ,(एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया। कैसरबाग स्थित स्वास्थ्य भवन चौराहे से लेकर जिला कलेक्ट्रेट तक आप कार्यकर्ताओं ने विरोध मार्च निकाला। सरकारी स्कूलों को लेकर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता लखनऊ समेत पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता वंशराज दुबे ने कहा कि सरकारी स्कूलों के संबंध में जो खबर आ रही है, वह बेहद अफसोसजनक है। उत्तर प्रदेश सरकार 27,000 सरकारी स्कूलों को बंद करने की तैयारी कर रही है। वंशराज दुबे ने कहा कि आम आदमी पार्टी दिल्ली से लेकर यूपी तक शिक्षा की लड़ाई लड़ रही है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2020 तक 26,000 स्कूलों को बंद किया चुका है। अगर बंटोगे तो आपके बच्चों के 50000 सरकारी स्कूल बंद होंगे, हम बंटेंगे नहीं, बीजेपी को हटाएंगे। योगी सरकार 27000 स्कूलों को बंद करने की तैयारी कर रही है, जिसके कारण लाखों छात्रों का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

रेल प्रशासन द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधाजनक आवागमन के उद्देश्य से अन्य क्षेत्रीय रेलवे के सहयोग से निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों में वृद्धि के साथ ही गाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

उत्तर मध्य रेलवे नेटवर्क से होकर गुजरने वाली त्योहार विशेष रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	चलने के दिन	चलने की तिथि
06563	सर एम.विश्वे.बेंगलूरू	21:15	बरौनी	20:00	मंगलवार	12 एवं 19.11.2024
06564	बरौनी	17:00	सर एम.विश्वे.बेंगलूरू	18:00	शुक्रवार	15 एवं 22.11.2024
06229	यशवंतपुर	07:30	मुजफ़्फ़रपुर	09:45	बुधवार	13.11.2024
06230	मुजफ़्फ़रपुर	10:45	यशवंतपुर	10:50	शनिवार	16.11.2024
06271	यशवंतपुर	07:30	दानापुर	06:00	गुरूवार	14 एवं 21.11.2024
06272	दानापुर	08:00	यशवंतपुर	10:30	रविवार	17 एवं 24.11.2024
03639	गया	18:50	आनन्द विहार(ट.)	10:00	सोमवार	11.11.2024
03640	आनन्द विहार(ट.)	12:00	गया	03:45	रवि,मंगल	10 एवं 12.11.2024
03227	आरा	15:45	आनन्द विहार(ट.)	07:15	सोमवार	11.11.2024
03228	आनन्द विहार(ट.)	09:30	आरा	04:00	रवि,मंगल	10 एवं 12.11.2024
05561	समस्तीपुर	23:00	लोकमान्य तिलक(ट.)	07:30	रविवार	10.11.2024
05562	लोकमान्य तिलक(ट.)	10:00	समस्तीपुर	18:50	मंगलवार	12.11.2024
03317	दानापुर	08:15	आनन्द विहार(ट.)	02:00	सोमवार	11.11.2024
03318	आनन्द विहार(ट.)	04:00	दानापुर	21:45	रवि,मंगल	10 एवं 12.11.2024
01661	रानी कमलापति(भोपाल)	14:25	दानापुर	08:45	शनि,मंगल	12, 16 एवं 19.11.2024
01662	दानापुर	11:45	रानी कमलापति(भोपाल)	07:40	रवि,बुध	10,13,17 एवं 20.11.24
09803	कोटा	21:25	दानापुर	20:00	रवि,गुरू	10 एवं 14.11.2024
09804	दानापुर	21:30	कोटा	22:25	सोम,शुक्र	11 एवं 15.11.2024

ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1956/24(A)

सम्पादकीय.....

बवाल का भाजपायी मकसद

जम्मू–कश्मीर की नवगठित विधानसभा के पहले दिन से जारी हंगामा तथा शोर–शराबा गुरुवार को अपने चरम पर पहुंच गया जब सत्तारुढ़ नेशनल कांफ्रेंस और भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों के बीच जमकर हाथापाई हुई जिसमें कई भाजपायी विधायकों को मार्शलों की मदद से सदन के बाहर निकाल दिया गया। सोमवार से प्रारम्भ हुए सत्र में हर रोज जम्मू–कश्मीर को पूर्ण व विशेष राज्य का दर्जा बहाल करने तथा 5 अगस्त, 2019 को खत्म किये गये अनुच्छेद 370 को रद्द करने के लिये लाये प्रस्ताव पर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो रहा है। लगातार चौथे दिन भी कोई काम–काज नहीं हो पाया। गुरुवार को विवाद उस वक्त बढ़ गया जब सदन में इंजीनियर रशीद के भाई व विधायक खुर्शीद अहमद शेख ने अनुच्छेद 370 तथा कैदियों को रिहा करने से सम्बन्धित बैनर लहराये। विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने इस पर आपत्ति दर्ज कराई जिसके कारण हुए हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम ने पहले तो कुछ देर के लिये बैठक स्थगित की लेकिन सदन बहाल होने पर भी शोर–शराबा नहीं थमा। इसके कारण विधायकों के बीच हाथापाई की नौबत आ गई। इसमें दो भाजपा सदस्य जख्मी हो गये। बुधवार को भी इसी मामले को लेकर सदन में दोनों पक्षों के बाच हंगामा बरपा था। वैसे इस मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष को बेहतर समन्वय करने तथा भाजपायी मकसद को समझने की जरूरत है जो चाहती है कि इसके जरिये एनसी, कांग्रेस तथा पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की छवि को नकारात्मक ढंग से पेश किया जाये। इस बहस में पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं भाजपा नेत्री स्मृति ईरानी का भी बयान लेकर उतर आना दर्शाता है कि सत्ताधारी दल द्वारा की गई मांगों (अनुच्छेद 370 की बहाली और राज्य को पूर्ण व विशेष राज्य का दर्जा देना) को देशविरोधी साबित करने और उसका फायदा झारखंड एवं महाराष्ट्र के चुनावों में उठाने की कोशिश भाजपा द्वारा की जायेगी। एक दशक के बाद बनी सरकार के पहले सत्र के पहले दिन (सोमवार को) से ही बहस और शोर–शराबे की शुरुआत हो गई थी जब पीडीपी के सदस्य और पुलवामा विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि वहीद पारा ने पूर्ण व विशेष राज्य का दर्जा और अनुच्छेद 370 को बहाल करने सम्बन्धी प्रस्ताव पेश किया था। यह न केवल उनकी पार्टी की नीति के बल्कि एनसी–कांग्रेस गठबन्धन की घोषणा के भी अनुकूल था। चुनाव प्रचार के दौरान इन तीनों ही दलों ने इस आशय का वादा तो किया ही था, वे इसकी मांग भी करते रहे हैं। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस प्रस्ताव के प्रति सैद्धांतिक सहमति तो जताई पर यह कहकर उसे नामंजूर किया कि श्यह वास्तविक इरादे से नहीं बल्कि केवल ध्यान आकर्षित करने के लिये प्रस्तुत किया गया है।श उन्होंने यह भी कहा कि श्यदि पीडीपी इसे लेकर गम्भीर थी तो उसे एनसी के साथ पहले विचार–विमर्श करना चाहिये था।श उल्लेखनीय है कि पीडीपी राष्ट्रीय स्तर पर बने इंडिया गठबन्धन का हिस्सा तो है लेकिन उसने विधानसभा का चुनाव अलग लड़ा था। साफ है कि प्रादेशिक राजनीति की प्रतिद्वंद्विता इस मसले में भी दिखलाई दी जो इस राज्य के लिये सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा है। वैसे बुधवार को भी यही नौबत आ गई थी जब उप मुख्यमंत्री सुरिंदर कुमार चौधरी ने भी इसी आशय का प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिया था। उसके बाद भी हुए हंगामे के कारण ऐसे ही सदन को स्थगित करना पड़ा था। 90 सीटों वाली जम्मू–कश्मीर विधानसभा में एनसी–कांग्रेस–वामपंथी दलों के गठबन्धन को 49 सीटें मिली हैं जबकि भाजपा को 29 प्राप्त हुईं। पीडीपी के हिस्से में 3 ही सीटें आई हैं। 7 निर्दलीय एवं 1 आप का सदस्य है जो प्रकारान्तर से इंडिया का ही हिस्सा है। वैसे तो दलगत स्थिति ऐसी है कि गठबन्धन की सरकार को तत्काल कोई खतरा नहीं है और भाजपा द्वारा राज्य की निर्वाचित सरकारों को गिराने का जो खेल होता है वह फिलहाल इस राज्य में होने से रहा। तो भी गठबन्धन सरकार को राज्य के लिये इस सबसे अहम मुद्दे को बहुत सम्हलकर, पूरे समन्वय एवं तैयारियों के साथ सिरे तक पहुंचाना होगा। जिस तरह से गठबन्धन सरकार के ही उप मुख्यमंत्री तथा इसे लेकर समान विचार व दृष्टिकोण रखने वाली पीडीपी द्वारा बगैर विचार–विमर्श के इस पर प्रस्ताव लाया गया, उसका लाभ भाजपा ले सकती है। स्मृति ईरानी का बयान भी कुछ इसी तरह के इशारे कर रहा है। हंगामे के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस लेकर उन्होंने कहा कि श्इंडिया एलायंस वाले संविधान की कसमें खाते हैं परन्तु वे उसकी धज्जियां उड़ा रहे हैं।श बुधवार को 370 बहाली को लेकर हुए हंगामे को लेकर उन्होंने इंडिया, खासकर कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद वहां के आदिवासियों को आरक्षण का जो लाभ मिल रहा है वह खत्म हो जायेगा। झारखंड तथा महाराष्ट्र में जो चुनाव होने जा रहे हैं उनमें इसके कारण कांग्रेस को नुकसान होने की उन्होंने बात कही। यह बात तो साफ है कि स्मृति इस मामले को इस तरह से पेश कर रही हैं कि अनुच्छेद 370 की बहाली मानों देश की एकता व अखंडता के खिलाफ है, जैसी कि उनकी पार्टी करती आई है, तो सम्भवतरू भाजपा इसी विमर्श को आगे बढ़ा सकती है। हालांकि पहले भी वह इस अनुच्छेद को संविधान विरोधी व देश की एकता के खिलाफ बतलाती रही है। यह भी सच है कि मामला केन्द्र के हाथ में है तथा जम्मू–कश्मीर के पास प्रस्ताव पारित करने के अलावा कोई अधिकार नहीं है, फिर भी इस पर समन्वय जरूरी है। राज्य सरकार कोई ऐसी गलती न करे जिससे भाजपा या केन्द्र को कोई बड़ा कदम उठाने का मौका मिल जाये।

डोनाल्ड ट्रम्प का राष्ट्रपति बनना वैश्विक रूप से विघटनकारी

नित्य चक्रवर्ती

यह स्पष्ट है कि अमेरिकी मतदाताओं के बहुमत ने इस राजनीतिक दिग्गज पर भरोसा दिखाया है, जिन्होंने अमेरिका को फिर से महान बनाने का वायदा किया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए, 2024 के चुनाव परिणामों ने कुछ असहज सवाल सामने ला दिये हैं।

बहुप्रतीक्षित अमेरिकी चुनाव के नतीजे आ गये हैं। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्रपति पद की दौड़ में शानदार जीत हासिल की है और साथ ही सीनेट और प्रतिनिधि सभा दोनों में रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत दिलाया है। यह स्पष्ट है कि अमेरिकी मतदाताओं के बहुमत ने इस राजनीतिक दिग्गज पर भरोसा दिखाया है, जिन्होंने अमेरिका को फिर से महान बनाने का वायदा किया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए, 2024 के चुनाव परिणामों ने कुछ असहज सवाल सामने ला दिये हैं। पार्टी नेतृत्व को इनपर विचार करना होगा। अब डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने का वैश्विक प्रभाव क्या होगा? सबसे पहले यह बताना जरूरी है कि डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी 2025 को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति पद संभालेंगे और इसलिए अभी से लेकर अगले साल 20 जनवरी तक 75 दिन बचे हैं। इस बीच की अवधि में बाइडेन सरकार का चरित्र कमजोर रहेगा, राष्ट्रपति कोई बड़ा फैसला नहीं ले पायेंगे। सामान्य परिस्थितियों में इस तरह के बदलाव में कोई दिक्कत नहीं होती। लेकिन अभी पश्चिम एशिया और यूक्रेन में दो बड़े युद्ध चल रहे हैं। अमेरिका दोनों में ही उलझा हुआ है। उसके फैसले मायने रखते हैं। ट्रंप ने अपने चुनावी भाषण में कहा कि अगर वे चुने गये तो वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की से बात करके 24 घंटे में यूक्रेन युद्ध को रोक देंगे। यह चुनावी भाषण में कही गई बात थी लेकिन अगर ट्रंप इजरायल–हमास और रूस–यूक्रेन युद्ध में भी कोई बड़ा कदम उठाते हैं तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा। 20 जनवरी को आधिकारिक रूप से राष्ट्रपति बनने से पहले ही वे अनौपचारिक रूप से विदेश मंत्री को अपने विचार बता सकते हैं और उनसे उसी के अनुसार आगे बढ़ने को कह सकते हैं। अच्छा हो या बुरा, दोनों युद्ध मोर्चों पर कुछ बदलाव तो होगा ही, संभवतरू 20 जनवरी 2025 से भी पहले। यह स्पष्ट है कि अमेरिका के सहयोगी, खास तौर पर नैटो और यूरोपीय संघ घबड़ाये हुए हैं। ट्रंप के बहुमत का आंकड़ा–270 पार करने से पहले ही फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन ने ट्रंप को फोन करके बधाई दी और यह भी आश्वासन दिया कि उन्हें उनके साथ काम करने में खुशी होगी। अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से यह कूटनीतिक रूप से अनुचित है। फिर भी, यूरोपीय नेता दूसरे कार्यकाल के राष्ट्रपति के सामने झुकने के लिए कतार में खड़े हैं और आश्वासन दे रहे हैं कि वे अमेरिका के मित्र हैं, अमेरिका के विरोधी नहीं। इस साल सितंबर में विस्कॉन्सिन में अपने चुनाव अभियान में ट्रंप ने जो कहा, उस पर यूरोपीय देशों के प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा हमारे साथ हमारे सहयोगियों ने बहुत बुरा व्यवहार किया है, हमारे सहयोगी हमारे साथ हमारे तथाकथित दुश्मनों से भी बुरा व्यवहार करते हैं।श फिर उन्होंने कहा सैन्य रूप से हम उनकी रक्षा करते हैं और फिर वे व्यापार में हमें धोखा देते हैं। अब हमें ऐसा नहीं होने देना चाहिए।ज्ज् इससे संकेत बहुत स्पष्ट हैं। ट्रम्प के सलाहकारों ने दूसरे कार्यकाल के नीति पत्र में कहा है कि व्यापार के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं होगा। चीन और जापान के साथ यूरोपीय देशों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। अमेरिका ने इसे बहुत लंबे समय तक झेला है। अपने पिछले कार्यकाल में ट्रम्प ने ईरान परमाणु समझौते और पेरिस जलवायु समझौते सहित कई अंतरराष्ट्रीय समझौतों से हाथ खींच लिये थे। ट्रम्प चाहते थे कि नैटो सदस्य देश मानदंडों के अनुसार खर्च साझा करें। अंतिम समय में कुछ समझ बनी और ट्रम्प ने अमेरिकी फंडिंग में कोई खास कटौती नहीं की। लेकिन अब, अपने दूसरे कार्यकाल में, वह अधिक आश्वस्त हैं, तथा वह अपनी समझ के आधार पर ही निर्णय लेंगे। उनमें एक बड़ी तानाशाही प्रवृत्ति है और पेंटागन के आकाओं के लिए उनके मन में बहुत कम सम्मान है। शांति आंदोलन के कार्यकर्ताओं के लिए ट्रंप एक पहेली हो सकते हैं। वे संघर्ष विराम के लिए 24 घंटे की समयसीमा दे सकते हैं या फिर किसी एक पक्ष को खत्म करने की स्थिति में आ सकते हैं। यथास्थितिवादी अंतरराष्ट्रीय नौकरशाही में ट्रंप एक विघटनकारी हैं। परिणाम अच्छे या बुरे हो सकते हैं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति अपने दूसरे कार्यकाल में अधिक अप्रत्याशित होंगे। भारत के बारे में क्या? सबसे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास राजनीतिक कारणों से खुश होने के कारण हैं, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। मोदी और ट्रंप में कुछ समानताएं हैं। वे दोनों ही तानाशाही और इस्लामोफोबिया के समान मरीज हैं। लेकिन ट्रंप की तुलना में नरेंद्र मोदी शांत हैं। केनेडा और अमेरिकी एजेंसियों के साथ नवीनतम कूटनीतिक उलझन में भारत को कुछ राहत मिलेगी। नरेंद्र मोदी को ट्रंप की व्यक्तिगत मदद इस समय बहुत मूल्यवान होगी।

फिर बांग्लादेश का मुद्दा है, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख डॉ. मोहम्मद यूनुस इस साल सितंबर में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र विधानसभा सत्र में भारतीय प्रधानमंत्री से मिलने के लिए बेताब थे, लेकिन मोदी ने टाल दिया। मोदी भी अमेरिकी चुनावों का इंतजार कर रहे थे। ट्रम्प ने दिवाली पर अपने संदेश में डॉ. यूनुस के बारे में अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है। अब डॉ. यूनुस के दिन गिने–चुने रह गये हैं। उन्हें हिलेरी क्लिंटन का दोस्त माना जाता है। वे ट्रम्प के लिए अछूत हैं। अमेरिका की नीति में नाटकीय बदलाव आयेगा। बांग्लादेश पर भी इसका असर पड़ेगा और यह भारतीय प्रधानमंत्री के साथ विचार–विमर्श के बाद किया जायेगा। इस तरह से मोदी को इस पूर्वी पड़ोसी से कुछ राहत मिलेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका क्या असर होगा? ट्रंप मूल रूप से एक व्यवसायी हैं। वे राजनीति को व्यवसाय और अर्थव्यवस्था के चश्मे से समझते हैं।

मदरसा एक्ट पर सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

यूपी मदरसा एक्ट पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने पलट दिया है। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को रद्द करने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बीती 5 नवंबर को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से उच्च न्यायालय के इस फैसले को बदलते समय कई अहम टिप्पणियां की गईं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मदरसा एक्ट से संविधान के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं होता है। न ही ये धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का किसी भी तरह से उल्लंघन करता है। न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालय ने इस एक्ट को ठीक से समझे बिना ही रद्द कर दिया। सर्वोच्च अदालत ने संविधान की ऐतिहासिक व्याख्या करते हुए उप्र के मदरसों को 'संवैधानिक' करार दिया है। इस संदर्भ में उप्र मदरसा शिक्षा अधिनियम, 2004 और उससे जुड़ा बोर्ड भी 'अवैध' नहीं है। यह कानून मुलायम सिंह यादव की सरकार के दौरान बनाया गया था। यह न्यायिक फैसला अल्पसंख्यकों के अधिकार के साथ–साथ समता के मौलिक अधिकार और शिक्षा के अधिकार की व्याख्याएं भी करता है। 2004 में मदरसा शिक्षा को व्यवस्थित करने के लिए उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 लागू किया गया था। इसमें अरबी, उर्दू, फारसी, इस्लामिक अध्ययन, तिब्ब (पारंपरिक चिकित्सा) और अन्य निर्देशित शाखाओं में शिक्षा देना शामिल किया गया था। उत्तर प्रदेश में हजारों मदरसे हैं लेकिन इनमें से कुछ ही मदरसों को मदरसा एक्ट के तहत मान्यता प्राप्त है। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन इफ्तिखार अहमद जावेद के अनुसार, यूपी में 16,500 मान्यता प्राप्त, 560 अनुदानित (जिन्हें सरकार से वित्तीय सहायता मिलती है) और 8,500 गैर–मान्यता प्राप्त मदरसे हैं, जहां 2 लाख से ज्यादा छात्र शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। अनुदानित मदरसों का बजट 900 करोड़ रुपये है। मदरसा शिक्षा बोर्ड स्नातक और स्नातकोत्तर उपाधियां प्रदान करता है जिन्हें क्रमशः कामिल और फाजिल के नाम से जाना जाता है। बोर्ड द्वारा जारी किए गए डिप्लोमा को कारी कहा जाता है और यह प्रमाण पत्र और अन्य शैक्षणिक सम्मान भी देता है। बोर्ड मुंशी और मौलवी (कक्षा ग) और आलिम (कक्षा ग्प्) जैसे पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षाएं आयोजित करने की काम भी करते है। मदरसा शिक्षा बोर्ड तहतानिया, फौकानियां, मुंशी, मौलवी, आलिम, कामिल और फाजिल जैसे पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यक पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें और अन्य शिक्षण सामग्री भी तय करता है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 22 मार्च 2024 को उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को श्असंवैधानिकश घोषित करार दिया। इस फैसले के साथ ही हाईकोर्ट ने कहा था कि ये भारत के धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन है। याचिकाकर्ता और उनके वकील ने तर्क दिया कि मदरसा अधिनियम धर्मनिरपेक्षता के मूल सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। कोर्ट के सामने ये तर्क रखा गया कि मदरसा एक्ट भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21–ए के अनुसार 14 वर्ष की आयु या कक्षा आठ तक उच्च गुणवत्ता वाली अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान को बाध्य करता है। कहा गया कि यह एक्ट मदरसों में नामांकित सभी बच्चों के लिए सार्वभौमिक और उच्च गुणवत्ता वाली स्कूली शिक्षा की गारंटी नहीं देता है। इसके अलावा, ये तर्क भी दिया गया कि बोर्ड का डिग्री प्रदान करना यूजीसी के अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करती है। इस तर्क को भी हाईकोर्ट के द्वारा माना गया। आगे चलकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के 22 मार्च के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किया। इसमें एनसीपीसीआर ने कहा कि मदरसे में बच्चों को दी जाने वाली शिक्षा व्यापक नहीं है और इसलिए यह शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई एक्ट), 2009 के प्रावधानों के खिलाफ है। सर्वोच्च न्यायिक पीठ का मानना है कि यह संविधान के मूल ढांचे और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। दरअसल यह फैसला ऐसे देश में मौलिक और महत्वपूर्ण है, जहां अत्यधिक शैक्षिक संस्थान धार्मिक संस्थाओं, संगठनों से संबद्ध हैं। यह अल्पसंख्यक अथवा बहुसंख्यक समुदाय का सवाल नहीं है। यह शिक्षा के बुनियादी दायित्वों और सरोकारों से जुड़ा मामला है। तो फिर मदरसों पर आपत्ति जताते हुए, उनसे संबद्ध कानून को, 'असंवैधानिक' कैसे करार दिया जा सकता है? न्यायिक पीठ ने आकलन करते हुए यह महत्वपूर्ण टिप्पणी भी की है–चूंकि शिक्षण संस्थान या मदरसा किसी अल्पसंख्यक समुदाय से जुड़ा है और उसकी मजहबी शिक्षाओं को भी पढ़ाया जा रहा है, तो इसके मायने ये नहीं हैं कि वह संस्थान 'शिक्षा' की परिधि से बाहर कर दिया जाए। संविधान में अल्पसंख्यकों को अधिकार दिए गए हैं कि वे अपने शैक्षिक संस्थान स्थापित कर सकते हैं। उसी के तहत मदरसे लगातार खुलते रहे हैं। दरअसल मदरसों को 'आतंकवाद के अड्डे' और 'इस्लाम के प्रचारक संस्थान' करार दिया जाता रहा है। इस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत का फैसला है कि राज्य सरकार मदरसों के पाठ्यक्रम को नियमित और संशोधित कर सकती है। कुरान के साथ–साथ गणित और विज्ञान जैसे विषय भी पढ़ाए जा सकते हैं, लेकिन मदरसे 'कामिल' और 'फाजिल' (स्नातक, स्नातकोत्तर) की जो डिग्रियां बांटते रहे हैं, वे 'अवैध' हैं, क्योंकि यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अधिनियम के खिलाफ है। आयोग से मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय ही ऐसी डिग्रियां देने को अधिकृत हैं। सर्वोच्च अदालत ने यह फैसला देते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला खारिज किया है, क्योंकि उच्च न्यायालय ने अधिनियम को 'असंवैधानिक' माना था और उप्र के सभी मदरसों को बंद करने का आदेश दिया था। इस सर्वोच्च फैसले से मदरसों में पढ़ने वाले 12,34,388 छात्रों का शैक्षिक भविष्य सुरक्षित रह सकेगा और 13,364 मदरसों के अस्तित्व कायम रह सकेंगे। मदरसों में हजारों शिक्षक भी पढ़ाते हैं, लिहाजा वे एकदम बेरोजगार होने से बचेंगे। मदरसों की जमात अलग–अलग है। कोई मदरसा राज्य सरकार से वित्तीय अनुदान प्राप्त करता है, तो कोई ऐसी मदद को 'इस्लाम–विरोधी' मानते हुए नहीं लेते और अपने संसाधनों के बूते ही मदरसे चलाते हैं। फिलहाल उप्र के मदरसा कानून पर सर्वोच्च अदालत ने फैसला सुनाया है। इसी के आधार पर देशभर के मदरसा बोर्ड और उनके प्रबंधक शीर्ष अदालत तक दस्तक दे सकते हैं। इस मामले में प्रधान न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की टिप्पणी महत्वपूर्ण है–संविधान के मूल ढांचे के उल्लंघन के लिए किसी कानून की संवैधानिकता को चुनौती नहीं दी जा सकती। यदि धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के उल्लंघन के लिए कानून को चुनौती भी दी जाती है, तो यह दिखाना जरूरी होगा कि कानून धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करता है।' यह भी न्यायिक टिप्पणी की गई है कि किसी कानून को तभी रद्द कर सकते हैं, जब वह संविधान के भाग–3 के तहत मौलिक अधिकारों अथवा विधायी क्षमता से संबंधित प्रावधानों का उल्लंघन करता है। इस मामले पर राजनीति भी गरमा रही है और कई राजनीतिक पार्टियों के बयान भी सामने आए हैं। जहां भाजपा ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत किया है वहीं समाजवादी पार्टी ने इस फैसले के लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। भाजपा नेता मोहसिन रजा ने कहा, श्अगर किसी ने मदरसों का आधुनिकीकरण किया है, तो वह योगी आदित्यनाथ हैं... पीएम मोदी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि – एक हाथ में कुरान है और दूसरे हाथ में कंप्यूटर होना चाहिए... ।ष बहरहाल सर्वोच्च अदालत ने माना है कि हालांकि मदरसे मजहबी निर्देशों से जुड़े हैं, लेकिन मदरसों के जरिए लाखों बच्चों को शिक्षा दी जा रही है। बेहतर शिक्षा मुहैया कराना सरकार का बुनियादी दायित्व है, लिहाजा मदरसों को बंद करने से वह दायित्व पूरा नहीं किया जा सकता। यदि मदरसों के भीतर संदेहास्पद गतिविधियां होती हैं।

झारखंडः हिंदू-मुस्लिम खेल शुरु!

राजेन्द्र शर्मा

येआपकी रोटी भी छीन रहे हैं। ये आपकी बेटी भी छीन रहे हैं। ये आपकी माटी को भी हड़प कर रहे हैं। ठीक इन्हीं शब्दों के साथ प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के चुनाव प्रचार धमाकेदार एंट्री ली है। जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी इसमें किसी भ्रम या गलतफहमी की गुंजाइश नहीं छोड़ते हैं कि श्येश कौन हैं जिन्होंने यह भयानक खतरा पैदा कर दिया है। श्येश और कोई नहीं, बांग्लादेशी घुसपैठिये हैं, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी के दावे के अनुसार, उनके एनडीए का प्रतिद्वंद्वी झारखंड मुक्ति मोर्चा–कांग्रेस–राजद गठबंधन का शासन श्पूरे झारखंड में बसा रहे हैंश। बेशक, प्रधानमंत्री काफी विस्तार से इसका वर्णन करते हैं कि श्येश का खतरा कितना बढ़ चुका है। वह बताते हैं कि स्कूलों में सरस्वती वंदना तक पर रोक लगने लगी है, जिसे पता चलता है कि खतरा कितना बढ़ गया है। तीज–त्यौहारों में पत्थरबाजी होने लगी है, माता दुर्गा को भी रोक दिया गया है, कर्फ़्यू लगने लगा है, जिससे पता चलता है कि स्थिति कितनी खतरनाक हो चुकी है। बेटियों के साथ शादी के नाम पर छल–कपट होने लगा है, जिससे पता चलता है कि पानी सिर के ऊपर से गुजर गया है। बेशक, खतरे का यह सारा आख्यान प्रतिद्वंद्वी जेएमएम–कांग्रेस–आरजेडी गठबंधन को चुनाव के लिए निशाना बनाने के लिए ही है। इसीलिए, यह आख्यान शुरू होता है झारखंड के इस सत्ताधारी गठबंधन पर इसका आरोप लगाने के साथ कि उसने तुष्टड्डीकरण की राजनीति को चरम पर पहुंचा दिया है, कि ये तीनों दल सामाजिक ताना–बाना तोड़ने पर आमादा हैं, कि श्ये तीनों दल घुसपैठिया समर्थक हैं आदि, आदि। और आख्यान खत्म होता है इसके आह्वड्डान के साथ कि श्इस घुसपैठिया गठबंधन को अपने एक वोट से उखाड़ फेंकना है। बीच में खासतौर पर आदिवासियों को लक्षित कर इसका दावा भी किया जाता है कि श्अगर जेएमएम–कांग्रेस–आरजेडी की यही कुनीति जारी रही तो, आदिवासी समाज का दायरा सिकुड़ जाएगा। बेशक, कोई अति–भोलेपन से यह पूछ सकता है कि यह तो महज घुसपैठ के विरोध का सवाल है, इसमें विभाजनकारी या विशेष रूप से आपत्तिजनक क्या है? हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री ही नहीं उनके नेतृत्व में छोटे–बड़े भी भाजपा नेताओं के यही बोल बोलने पर किसी शिकायत को संज्ञान लिए जाने की सूरत में, चुनाव आयोग भी ऐसी ही मुद्रा अपनाए। इतना ही नहीं, वर्तमान चुनाव आयोग के लिए तो शायद इतनी सफाई भी काफी होगी कि प्रधानमंत्री ने रोटी– बेटी–माटी छीनने के लिए किसी का समुदाय का नाम थोड़े ही लिया हैय वह तो आम तौर पर घुसपैठियों के खतरे की बात कर रहे थे। लेकिन, संप्रदाय विशेष का नाम न लेकर वे की आड़ में छुपकर तीर चलाने वाले भी और चुनाव आयोग समेत विभिन्न संस्थाओं में बैठे उनके मददगार भी बखूबी जानते हैं कि इस मामले को एक भावात्मक मुद्दा बनाकर उछालने का मकसद, शुद्घ सांप्रदायिक है। यह समझने के लिए किसी विशेष जानकारी की जरूरत नहीं है कि संघ–भाजपा जब भी घुसपैठ की बात करते हैं, घुसपैठ का शोर मचाते हैं, उनका निशाना सिर्फ और सिर्फ मुसलमानों पर होता है। नागरिकता कानून में मोदी सरकार द्वारा थोपे गए संशोधन के बाद तो सच शीशे की तरह साफ हो जाता है। यह कोई संयोग ही नहीं है कि पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में, जहां एक समय में पहले के पूर्वी पाकिस्तान से बड़ी संख्या में हिंदू शरणार्थी आए थे, गृह मंत्री अमित शाह से लेकर, पूरा संघ–भाजपा कुनबा बढ़–चढ़कर इसके दावे करता आया है कि किस तरह, नागरिकता कानून संशोधन के अंतर्गत बड़ी संख्या में हिंदू शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता दी जाने वाली है। वास्तव में यह याद दिलाने की शायद ही जरूरत होगी कि नागरिकता कानून में विवादास्पद संशोधन कर, पड़ोसी मुस्लिम बहुल देशों, बांग्लादेश, पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान से आए गैर–मुसलमानों के लिए, भारतीय नागरिकता हासिल करना आसान बनाने का ही काम किया गया है। बेशक, यह कानून न सिर्फ सरासर धार्मिक भेदभाव करने वाला है बल्कि भारत के धर्मनिरपेक्ष संविधान के खिलाफ जाकर, नागरिकता के साथ सांप्रदायिक शर्त भी जोड़ता है, इसके बावजूद इसे मोदी सरकार ने देश पर इसे ठीक इसीलिए थोपा है कि यह, मुसलमानों को निशाना बनाने के जरिए, उसके सांप्रदायिक एजेंडा की मदद करता है। इस समय भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पूरा संघ परिवार, झारखंड में उसी सांप्रदायिक एजेंडा के सहारे चुनावी वैतरणी को पार करने की उम्मीद लगाए है। यह भी महज संयोग ही नहीं है कि न सिर्फ घुसपैठ बल्कि खासतौर पर बांग्लादेशी घुसपैठ का ऐसा ही हौवा खड़ा करने के जरिए, जिस असम में एनआरसी के नाम पर आम लोगों पर भारी तकलीफें थोपी गयीं और राज्य पर बहुत भारी आर्थिक बोझ भी डाला गया।

पहली ही फिल्म में ओडिशा की इस छोरी ने जड़ा सिक्सर, अब निगाहें यशराज की नई सीरीज पर

भारत के नक्शे पर ओडिशा में जाजापुर जिले का नानपुर गांव तलाशना आसान नहीं है। वहां से मुंबई जैसे चकाचौंध भरे शहर आकर सोनाली शर्मिष्ठा ने जिस पहली फिल्म में काम किया, उसे अपनी भाषा की सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। और, ये नाम पहली बार हिंदी फिल्म जगत में अभी हाल ही में तब झलका जब खबर आई कि किसी मलयालम फिल्म की अभिनेत्री को यशराज फिल्म्स ने अपनी नई सीरीज में मौका दिया है। कोई महीने भर की तलाश के बाद इनका पता चला और देश की अलग अलग भाषाओं की फिल्मों में लगातार काम कर रहीं सोनाली ही हैं, इस हफ्ते की 'अपना अड्डा' स्टार। कृति सेनन की तरह आपने भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई के बाद अभिनय में कदम रखा? कब लगा कि इंजीनियरिंग नहीं एक्टिंग ही करनी है? जब तक बालचंद्रपुर में स्कूल में थे, सिनेमा क्या होता है ज्यादा पता नहीं था। फिर भुवनेश्वर आकर इंजीनियरिंग के दौरान ही मुझे स्मिता पाटिल के बारे में पता चला। गणेश पूजा, सरस्वती पूजा वगैरह में मेरे अभिनय और नृत्य से लोग बहुत प्रभावित होते थे, लेकिन मैं बहुत ही अंतर्मुखी किस्म की लड़की थी। इंजीनियरिंग के बाद नौकरी भी लग गई लेकिन मुझे लगा कि मैं शायद रचनात्मक कार्यों के लिए बनी हूं। इस दौरान संजय पटनायक ने मेरे भीतर का डर निकालने में बहुत मदद की। आपके पिता नंदकिशोर मोहंती बड़े कारोबारी हैं, उन्होंने टोका नहीं कि हमारे घर की बेटियां हीरोइन नहीं बनतीं? हमारा संयुक्त परिवार है। पापा, उनके बड़े भाई और छोटे भाई, सबके परिवार साथ रहते हैं। आपको यकीन नहीं होगा कि मेरी मां मुझे मुंबई छोड़ने आई थीं नौकरी के सिलसिले में और मैंने यहां आकर फैसला किया कि मुझे अभिनय करना है। सब एकदम से चौंक गए। लेकिन बचपन से ही मेरी बुआ चिन्मयी मोहंती और दीदी निवेदिता ने बहुत सराहा और मुझे हौसला दिया। घरवालों को लगा कि ये मेरा सपना है, मैं इसे देखूंगी और फिर वापस आ जाऊंगी। लेकिन, छह साल हो गए मुझे मुंबई आए। तकलीफें खूब झेलीं लेकिन मैंने हिम्मत नहीं हारी। और, अब लगता है कि गाड़ी पटरी पर आ रही है। मुंबई का पहला दिन कैसा रहा? पहले दिन तो हम खूब घूमे। छत्रपति शिवाजी टर्मिनस का सारा इलाका छान मारा। ताज होटल गए। उसके सामने खूब फोटो खींचे। गेटवे ऑफ इंडिया घूमे और वहां से पुणे चले गए। मुंबई में मैंने जस्ट डायल के जरिये एक हॉस्टल बुक किया था, मुंबई लौटने पर वहां गए तो चला कि वह तो बॉयज हॉस्ल है तो ऐसा ऑन लाइन फ्रॉड हुआ मेरे साथ पहले ही दिन। फिर, मैंने जो प्लान बी बना रखा था, वह काम आया। बाहर से आकर मुंबई में संघर्ष करना कितना

मुश्किल है और घर वालों का साथ कितना जरूरी? मुझे लगता है कि एक बार अगर हमने कुछ ठान लिया है तो फिर उसे पाने के रास्ते बनते जाते हैं। मेरे साथ ये था कि मेरे आसपास के सब लोगों को पता था कि ये लड़की कमाल की एक्टर है, बस मुझे ही नहीं पता था। तो मुझे खुद को पहचानने में समय काफी लगा। घर वालों का समर्थन ऐसे में बहुत जरूरी होता है। इंसान मानसिक रूप से कभी भी टूट सकता है, ऐसे में घरवालों का हौसला बढ़ाना काम आता है। और, आपकी पहली ही फिल्म ने सिक्सर जड़ दिया? मेरी पहली फिल्म जो मैंने मुंबई आने के बाद की, उसके निर्देशक नील माधब पांडा हैं। वह ओडिशा से हैं लेकिन 'कलीरा अतीता' उनकी पहली उड़िया फिल्म रही। फिल्म को सर्वश्रेष्ठ उड़िया फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। ऑस्कर में भी ये सामान्य श्रेणी की फिल्मों में नामित हुई। इस फिल्म ने मेरे लिए सिनेमा के दरवाजे खोल दिए। तब से मैं राजस्थानी, मगही और मलयालम भाषाओं में फिल्में कर चुकी हूं। हां, मलयालम फिल्म 'द फेस ऑफ द फेसलेस' के बारे में तो मैंने भी सुना है और मुझे तो ये भी पता चला है कि यशराज फिल्म्स की किसी वेब सीरीज में आपको इस फिल्म के जरिये ही काम मिल चुका है? ये सब आपको कैसे पता चल जाता है। प्लीज, यशराज फिल्म्स की सीरीज के बारे में कुछ मत पूछिए। अभी मैं इस बारे में कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं हूं। इस फिल्म ने मेरे जीवन में तकदीर बदलने वाले मौके का काम किया है। यह फिल्म सिस्टर रानी मारिया के जीवन पर बनी है, जिनकी मध्य प्रदेश में हत्या कर दी गई थी। ये फिल्म इस साल हुए ऑस्कर समारोह की बेस्ट ओरिजनल स्कोर कैटेगरी में सबमिट हुई थी। अच्छा, मुंबई में पहली बार कैमरे का सामना जब किया, वह दिन तो याद होगा? ये भी अच्छा सवाल पूछा आपने। मैं तब बेरोजगार थी और मेरी रूममेट एयरलाइंस में एयर होस्टेस का काम कर रही थी। खाली समय में वह मॉडलिंग भी करती थी तो एक दिन खूब बारिश हो रही थी तो वह जिद करके मुझे अपने साथ फिल्म सिटी ले गई। वह भारतीय जीवन बीमा निगम का कोई विज्ञापन था और विज्ञापन में जितनी लड़कियों की जरूरत थी, वे बरसात के चलते पहुंच नहीं पाईं थी। इसके चलते मुझसे भी विज्ञापन में दिखाई गई क्लास की छात्राओं के बीच बैठने को कहा गया। अपनी सहेली की बात को मैं न भी नहीं कर पाई। यही मेरा पहला ऑन कैमरा ब्रेक बना।

ब्लैक साड़ी में आलिया भट्ट ने लूटी महफिल, हर अदा में दिखा गजब का नशा

आलिया भट्ट ब्लैक साड़ी में एक से बढ़कर एक किलर पोज देती हुई दिखाई दे रहीं है, जिन पर फैन्स दिल हार...

एलिगेंट अनन्या पांडे का बवाल लुक देख फैन्स बोले – नैचुरल ब्यूटी

इन लेटेस्ट फोटोज में अनन्या पांडे का किलर स्टाइल देख आप भी उनकी तारीफ करने से खुद को...

रैम्प पर शनाया कपूर ने बिखेरा हुस्न का जलवा, दिल थाम कर देखें ये बेफिक्र अंदाज

शनाया कपूर एक फैशन शो के दौरान रैम्प पर हुस्न की बिजलियां गिराती हुई नजर आईं, क्या आपने देखीं...

लाइव कॉन्सर्ट के दौरान स्टेज से गिरीं सिंगर बिली एलिश

अमेरिकन सिंगर और सॉन्ग राइटर बिली एलिश न्यूयॉर्क में लाइव कॉन्सर्ट के दौरान स्टेज से गिर पड़ीं। 22 साल की बिली मैडिसन स्क्वायर गार्डन में परफॉर्म कर रही हैं। वो मंच से नीचे उतर रही थीं, तभी सीढ़ियों से उतरते वक्त कम रोशनी के कारण उनका बैलेंस बिगड़ गया और वो सीधे जमीन पर गिर गईं। यह हादसा होने से पहले बिली मंच पर दौड़ती भी नजर आईं। यह हादसा होने से पहले बिली मंच पर दौड़ती भी नजर आईं। इस हादसे में बिली को उनके पैर पर चोट लगी है, जिसके कारण काला निशान पड़ गया है।

क्या आप अपनी शादी में बॉलीवुड सितारों को बुलाना चाहते हैं? यहां देखिए कि शाहरुख खान, अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण सहित तमाम सितारे एक शादी में परफॉर्म करने के लिए कितना पैसा लेते हैं? बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के मुताबिक शाहरुख खान ने कथित तौर पर एक शादी में डांस करने के लिए 3 करोड़ रुपये चार्ज किए थे. रिपोर्ट के मुताबिक सिंघम अगेन स्टार दीपिका पादुकोण कथित तौर पर अपने डांस मूव्स के लिए लगभग 1 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं. अभिनेत्री आलिया भट्ट कथित तौर पर इवेंट्स में अपने परफॉर्मेंस के लिए 1.5 करोड़ रुपये लेती हैं. रिपोर्ट के मुताबिक रणवीर सिंह कथित तौर पर शादी में डांस करने के लिए 1 करोड़ रुपये फीस वसूलते हैं. शादियो में डांस के लिए बॉलीवुड के भाईजान यानी सलमान खान कथित तौर पर 2 करोड़ रुपये फीस चार्ज करते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक एनिमल एक्टर रणबीर कपूर भी वेडिंग में अपनी परफॉर्मेंस के लिए कथित तौर पर 2 करोड़ रुपये वसूलते हैं. प्राइवेट इवेंट में अपनी परफॉर्मेंस के लिए विक्की कौशल कथित तौर पर एक करोड़ रुपये वसूलते हैं. रिपोर्ट के मुताबिक कैटरीना कैफ प्राइवेट फंक्शन में अपनी परफॉर्मेंस के लिए कथित तौर पर 3.5 करोड़ रुपये वसूलती हैं.

इन कारणों से भी शरीर में होती है खुजली

कैंसर एक गंभीर बीमारी है जो किसी भी उम्र और किसी भी व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है। महिलाओं में वजाइनल कैंसर, विशेषकर वल्वर कैंसर, के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। क्या यह जानना संभव है कि इस कैंसर के होने से पहले कोई संकेत मिलते हैं? आइए जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

खुजली कैंसर का संकेत?

योनि क्षेत्र में खुजली सामान्यतः जलन या संक्रमण का संकेत हो सकती है। हालांकि, कुछ दुर्लभ मामलों में, यह वल्वर कैंसर जैसी गंभीर स्थितियों की चेतावनी भी हो सकती है। यदि खुजली स्थायी हो और सामान्य उपचारों से ठीक न हो, तो यह कैंसर का एक संकेत हो सकता है।

वल्वर कैंसर के लक्षण

वल्वर कैंसर तब होता है जब योनि या वल्वा के आस–पास की त्वचा में असामान्य कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से बढ़ने लगती हैं। इसके कुछ प्रारंभिक लक्षणों में शामिल हैं– पुरानी खुजली, यह लक्षण जलन या संक्रमण से जुड़ा हो सकता है, लेकिन लगातार बना रहना गंभीर स्थिति का संकेत हो सकता है। योनि क्षेत्र में जलन या दर्द महसूस होना। प्राइवेट एरिया में कोई असामान्य वृद्धि होना। योनि या वल्वा की त्वचा में रंग परिवर्तन। इसके अतिरिक्त, महिलाओं को संभोग के दौरान ब्लीडिंग, दर्द या जल्दी डिस्चार्ज जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

उपचार की आवश्यकता

यदि लगातार खुजली बनी रहती है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। योनि में खुजली के सामान्य कारण जैसे कि यीस्ट संक्रमण, बैक्टीरियल वेजिनोसिस, या त्वचा की स्थितियों को दवाओं से ठीक किया जा सकता है। लेकिन यदि ये उपाय काम नहीं करते हैं, तो कैंसर या अन्य गंभीर स्थितियों की जांच कराना आवश्यक है।

कैंसर से बचाव के उपाय

सेफ सेक्स कंडोम का उपयोग करें। यह वैक्सीन योनि कैंसर के खतरे को कम कर सकती है। नियमित पैल्विक टेस्ट करें, नियमित स्वास्थ्य जांच करवाएं। धूम्रपान से बचें यह कैंसर के जोखिम को बढ़ा सकता है। कैंसर के खतरे को पहचानना और उसका समय पर उपचार कराना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आप लगातार खुजली या अन्य लक्षणों का अनुभव कर रही हैं, तो आपको डॉक्टर से परामर्श अवश्य करना चाहिए। अपनी सेहत का ध्यान रखें और नियमित जांच कराएं, ताकि आप कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रह सकें। अगर आपको यह जानकारी उपयोगी लगी हो, तो इसे अपने मित्रों और परिवार के साथ साझा करें ताकि वे भी इस महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत हो सकें।

जल्द वजन घटाने के लिए अपनाएं दोपहर की ये आदतें

मेटाबॉलिज्म, या चयापचय, हमारे शरीर के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यह निर्धारित करता है कि हमारा शरीर भोजन को कैसे प्रोसेस करता है और उसे ऊर्जा में कैसे बदलता है। जबकि मेटाबॉलिज्म का कुछ हिस्सा जेनेटिक्स पर निर्भर करता है, जीवनशैली में कुछ आसान आदतें अपनाकर हम इसे सक्रिय और स्वस्थ रख सकते हैं। यहां तीन प्रभावी तरीके दिए गए हैं, जिनसे आप अपने मेटाबॉलिज्म को बेहतर बना सकते हैं। अच्छे मेटाबॉलिज्म के लिए प्रोटीन बेहद महत्वपूर्ण है। प्रोटीन पचाने में शरीर को अधिक कैलोरी खर्च करनी पड़ती है, जबकि वसा या कार्बोहाइड्रेट पचाने में कम। इसलिए, अपनी डाइट में प्रोटीन वाले फूड जैसे अंडे, पनीर, दाल, और छोले शामिल करें। ये न केवल मेटाबॉलिज्म को सक्रिय रखते हैं, बल्कि मांसपेशियों को बनाने और बनाए रखने में भी मदद करते हैं, जो चयापचय को बढ़ावा देता है। स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और उच्च तीव्रता वाली अंतराल ट्रेनिंग मेटाबॉलिज्म को मजबूत बनाने के प्रभावी तरीके हैं। भ्ज्ज न केवल व्यायाम के दौरान कैलोरी तेजी से बर्न करता है, बल्कि इसके बाद भी मेटाबॉलिज्म को सक्रिय रखता है। इसी तरह, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग मांसपेशियों के विकास में सहायक होती है, जो मेटाबॉलिज्म को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। सप्ताह में कम से कम 2–3 बार इन गतिविधियों को शामिल करें।

अधिक चलें–फिरें

यदि आपकी सिटिंग जॉब है या आप लंबे समय तक बैठते हैं, तो अपने दिनचर्या में सक्रियता शामिल करना जरूरी है। लिफ्ट के बजाय सीढ़ियों का उपयोग करें, लंच ब्रेक के दौरान छोटी वॉक पर जाएं, और जब भी फोन पर बात करें, टहलने की कोशिश करें। डेस्क पर हल्की स्ट्रेचिंग या योग करने से भी मदद मिलती है। लंबे समय तक बैठने से मेटाबॉलिज्म धीमा होता है, इसलिए छोटी–छोटी गतिविधियां भी इसे सक्रिय रखने में महत्वपूर्ण होती हैं।

पर्याप्त नींद लें

नींद का मेटाबॉलिज्म पर गहरा प्रभाव होता है। पर्याप्त नींद (7–8 घंटे) न लेने से शरीर में तनाव हार्मोन बढ़ सकते हैं, जो चयापचय को धीमा कर सकते हैं।

पानी पिएं

पर्याप्त मात्रा में पानी पीना मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में मदद करता है। पानी पीने से शरीर में कैलोरी बर्न करने की प्रक्रिया सक्रिय होती है। एक अध्ययन के अनुसार, ठंडा पानी पीने से शरीर को पानी को गर्म करने के लिए अधिक कैलोरी खर्च करनी पड़ती है।

हर्बल चाय और कॉफी का सेवन

ग्रीन टी और कॉफी में कैफीन और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में सहायक होते हैं। सीमित मात्रा में इनका सेवन करें ताकि आप ऊर्जा स्तर बनाए रख सकें।

छोटे और नियमित भोजन करें

दिन में छोटे–छोटे अंतराल पर भोजन करना मेटाबॉलिज्म को सक्रिय रखता है। इससे शरीर को लगातार ऊर्जा मिलती रहती है और मेटाबॉलिज्म धीमा नहीं होता। उच्च तनाव स्तर मेटाबॉलिज्म को प्रभावित कर सकता है। योग, ध्यान, या अन्य तनाव प्रबंधन तकनीकों का अभ्यास करें, ताकि आप तनाव को कम कर सकें और मेटाबॉलिज्म को स्थिर रख सकें।मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने के लिए ये 7 सरल उपाय प्रभावी हैं। प्रोटीन युक्त आहार, नियमित स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, और सक्रिय रहने की आदतें न केवल आपके चयापचय को बढ़ावा देंगी, बल्कि आपके समग्र स्वास्थ्य को भी सुधारेंगी। अपने जीवनशैली में इन परिवर्तनों को शामिल करें और अपने मेटाबॉलिज्म को सक्रिय बनाएं!

अंडा बनाने का नया तरीका

अगर आप किचन के इन हैक्स को ट्राई करेंगे तो आपको खाना बनाने और खाना खाने में भी काफी मजा आएगा। यदि आपको किचन के इन टिप्स के बारे में पता होगा तो आपको बहुत सारा काम आसानी से हो सकता है। तो चलिए आपको बताते हैं ये गजब के हैक्स, जिससे खाना बनाना बेहद आसान हो जाता है।

अगर आप घर में खाना बनाते हैं तो इन टिप्स के बारे में जरुर पता होना चाहिए। वैसे तो हर किसी को घर के काम आने चाहिए, क्योंकि आगे चलकर ये आपके काम आ सकते है। जिन लोगों को खाना बनाना पसंद होता है वो लोग इन टिप्स को अपनाकर कुकिंग को आसान बना सकते है। यह हैक्स आगे भी आपके काफी काम आने वाले है। आइए जानते है इन किचन हैक्स के बारें में–

ब्यूटी ब्लॉगर मालविका सीतलानी के तलाक के पीछे की वजह आई सामने

माइक्रोवेव में जल्दी से अंडे पकाएं

– तले हुए अंडे के लिए, माइक्रोवेव–सेफ बाउल में अंडे, थोड़ा दूध और मसाला डालकर फेंटें। फिर आप 30 सेकंड के अंदर अंतराल पर माइक्रोवेव करें, इसको साथ ही इसे हिलाते रहे, जब तक कि अंडे फूले हुए और पूरी तरह से पक न जाएं।

– इसमें 1 से 2 मिनट तक का समय लगेगा।

– पोच एग के लिए, एक कप पानी में अंडा फोड़े, कप को माइक्रोवेव–सेफ प्लेट से ढक दें और लगभग 1 मिनट के लिए हाई माइक्रोवेव करें। ऐसा करने से आपका अंडा पक जाएगा।

सेकंड्स में पैनकेक बनाएं

– इसे बनाने के लिए पैनकेक बैटर को एक साफ स्क्वीज बोतल (जैसे कि खाली केचप बोतल) में डालें।

– बैटर को गर्म तवे पर स्क्वीज करें और आपको हर बार एकदम गोल पैनकेक मिलेंगे।

– अगर आपके घर में बच्चे हैं तो उनके लिए मजेदार आकृतियां बना सकते हैं।

आडू का बीज 5 सेकंड में निकालें

– आडू को आधा काटें और आधे हिस्सो को मोड़कर अलग करें।

– गुठली को बाहर निकालने के लिए आप चम्मच का प्रयोग करें, चम्मच को गुठली के नीचे खिसकाएं और बाहर निकालें।

– इस तरीके से करने आडू के गूदे को बरकरार रखता है।

– आप चाहे तो किचन सिजर का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक आडू के बीच में कैंची को थोड़ा खोलकर घुसाएं। फिर बीज को कैंची से पकड़कर खींचकर बाहर निकाल दें।

केक को स्टोर करके नमी बनाए रखें

– अगर आपका केक ठंडा हो जाए, तो केक के ऊपर या अगर यह कटा हुआ है तो किनारों के आसपास ताजी ब्रेड का एक स्लाइस रखें और फिर इसे प्लास्टिक रैप से ढक दें।

– बता दे कि, ब्रेड हवा से नमी को सोख लेगी, जिससे केक लंबे समय तक नरम और ताजा रहेगा। जब सर्व करने से पहले ब्रेड को निकालना न भूलें।

चाकू की मदद से लहसुन को छीलें

– इसके लिए आप बड़ा वाला शेफ चाकू लें और इसके सपाट हिस्से के नीचे लहसुन की एक कली रखें।

– अपने हथेली से चाकू को दबाएं। आपको लहसुन क्रश होने की आवाज आएगी। इससे लहसुन का छिलका ढीला हो जाता है। जिससे इस निकालना बहुत आसान हो जाएगा।

5 टिप्स: घर की क्लीनिंग है जरूरी

अक्सर फर्नीचर पर गलती से जूस या कॉफी गिर जाती है। ऐसे में उस दाग को साफ करने के लिए डिश सोप, सिरका और गर्म पानी की मदद ली जा सकती है। इसके लिए आप दो कप गर्म पानी में एक बड़ा चम्मच डिश सोप और एक बड़ा चम्मच सिरका मिलाएं।

हम सभी अपने घर में तरह–तरह के फर्नीचर का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, कई बार फर्नीचर पर दाग लग जाते हैं और फिर अक्सर हम इन्हें बदलने के बारे में सोचते हैं। लेकिन फर्नीचर बदलना इतना भी आसान नहीं है। इसके लिए आपको काफी सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका है कि फर्नीचर पर लगे दागों को साफ करने के लिए आप कुछ आसान उपायों को अपनाएं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि फर्नीचर पर लगे दागों को किस तरह साफ किया जाए–

जूस या कॉफी के दाग कैसे हटाएं

अक्सर फर्नीचर पर गलती से जूस या कॉफी गिर जाती है। ऐसे में उस दाग को साफ करने के लिए डिश सोप, सिरका और गर्म पानी की मदद ली जा सकती है। इसके लिए आप दो कप गर्म पानी में एक बड़ा चम्मच डिश सोप और एक बड़ा चम्मच सिरका मिलाएं। तैयार घोल से एक साफ कपड़े को गीला करें और दाग को पोंछें। ठंडे पानी में भिगोए कपड़े से धोएं, फिर साफ तौलिये से पोंछकर सुखाएं।

ग्रीस या तेल के दाग

अगर फर्नीचर पर गलती से ग्रीस या तेल के दाग लग गए हैं तो उसे साफ करने में बेकिंग सोडा या कॉर्नस्टार्च काफी काम आ सकता है। सबसे पहले आप तेल को सोखने के लिए दाग पर बेकिंग सोडा या कॉर्नस्टार्च छिड़कें। अब इसे 15–20 मिनट तक लगा रहने दें। पाउडर को वैक्यूम करें, फिर गर्म साबुन के पानी में भिगोए कपड़े से पोंछें। इसे पानी से धोएं और पोंछकर सुखाएं।

स्याही या मार्कर के दाग हटाने के लिए रबिंग अल्कोहल या नेल पॉलिश रिमूवर बहुत अच्छी तरह काम करता है। इसके लिए एक कॉटन बॉल या कपड़े पर थोड़ी मात्रा में रबिंग अल्कोहल लगाएं। दाग को धीरे से पोंछें, जब तक कि वह निकल न जाए। ध्यान दें कि आप इसे रगड़ें नहीं। अब इसे पानी से धोएं और थपथपाकर सुखाएं।

संक्षिप्त

दिल्ली, मुंबई, लखनऊ में प्याज की कीमतें आसमान छू रहीं, आम लोगों की बढ़ी परेशानी

नई दिल्ली। प्याज की कीमतों में उछाल के कारण दिल्ली, मुंबई और लखनऊ समेत देश के कई शहरों में लोगों की आंखें नम होने लगी है। इससे ग्राहक और विक्रेता दोनों परेशान हैं। थोक बाजारों में प्याज की कीमत 40–60 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 70–80 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। एएनआई से बात करते हुए, दिल्ली के एक बाजार में एक विक्रेता ने कहा, ष्प्याज की कीमत 60 रुपये से बढ़कर 70 रुपये प्रति किलो हो गई है। हम इसे मंडी से खरीदते हैं, इसलिए वहां से हमें जो कीमतें मिलती हैं, वे उस कीमत को प्रभावित करती हैं, जिस पर हम इसे बेचते हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के कारण बिक्री में कमी आई है, लेकिन लोग इसे अभी भी खरीद रहे हैं क्योंकि यह यहां के खाने की आदतों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी पर एक खरीदार फैजा ने अपनी परेशानी साझा करते हुए कहा, प्याज की कीमत बढ़ गई है, जबकि मौसम के हिसाब से इसमें कमी आनी चाहिए थी। मैंने 70 रुपये प्रति किलो प्याज खरीदा। इसने घर में खाने–पीने की आदतों को प्रभावित किया है। मैं सरकार से अपील करता हूं कि कम से कम हर दिन खाई जाने वाली सब्जियों की कीमतें कम करें।ष्8 नवंबर 2024 तक दिल्ली में प्याज की कीमत लगभग 80 रुपये प्रति किलोग्राम रही। मुंबई के बाजारों समेत देश के कई राज्यों में प्याज की कीमत में उछाल आया है। मुंबई के एक खरीदार डॉ. खान ने एएनआई से कीमतों में उछाल के बारे में बात की और कहा, प्याज और लहसुन की कीमत कई गुना बढ़ गई है। यह दोगुनी हो गई है। इससे घर का बजट भी प्रभावित हुआ है। मैंने 360 रुपये में 5 किलो प्याज खरीदा। एक अन्य खरीदार आकाश ने कहा, प्याज की कीमतें बढ़ गई हैं। प्याज की कीमत 40–60 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 70–80 रुपये प्रति किलो हो गई है। लेकिन सेंसेक्स की तेजी और गिरावट की तरह प्याज की कीमत में भी गिरावट आएगी। बाजार में एक विक्रेता किशोर ने कहा, ष्प्याज की कीमत में महंगाई की वजह से उछाल आया है। कीमत 60 से 70–75 रुपये तक बढ़ गई है, लेकिन यह एक मुख्य सब्जी है, इसलिए उपभोक्ता इसे खरीद रहे हैं।ष् देशभर में प्याज की कीमत में उछाल आया है और यह सब्जी 80 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में बिक रही है। लखनऊ में भी प्याज की कीमतें 90 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर बिक रही है।

ऑस्ट्रेलिया को हराते ही पाकिस्तान ने भारत को पछाड़ा, ये खास रिकॉर्ड तोड़ा

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 75 वनडे इंटरनेशनल मैच जीते हैं, इसके बाद इंग्लैंड का नाम आता है, जिसने ऑस्ट्रेलिया में 53 मैच जीते हैं। पाकिस्तान तीसरे नंबर पर 41 मैचों मे जीत के साथ है। वहीं भारत ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 40 मैच जीते हैं। एशियाई टीमों में अब पाकिस्तान ने भारत को पीछे छोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का पहला मैच तीन विकेट से जीता था। मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीता और ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम 35 ओवर में ही 163 रनों पर ऑलराउंडर हो गई। हारिस राउफ ने पांच विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच भी चुने गए। हारिस राउफ ने पांच विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच भी चुने गए। वहीं शाहीन अफरीदी ने तीन विकेट निकाले। ऑस्ट्रेलिया की ओर से स्टीव स्मिथ ने सबसे ज्यादा 35 रनों का योगदान दिया। स्मिथ के अलावा किसी और ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने 20 रन तक नहीं बनाए। 13 से 19 रनों के बीच बाकी बल्लेबाज आउट होते गए। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 26.3 ओवर में ही एक विकेट पर 169 बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। सैम अयूब ने 82 रनों की पारी खेली, वहीं अब्दुल्ला शफीक ने 64 रन बनाए।

पीयूष गोयल बोले– 21वीं सदी भारत की, 25 साल में 35 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा देश

भारत की विकास गाथा देश की मौजूदा 3.5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था को अगले 25 साल में 35 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचा देगी। 10 गुना की यह तेज बढ़ोतरी भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद के दम पर है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को अमेजिंग गोवा ग्लोबल बिजनेस समिट–2024 के उद्घाटन सत्र में कहा, 21वीं सदी भारत की है और यह तीन साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी

बनने की राह पर है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही कहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी है।ध्आज हम जो कर रहे हैं, वह सबसे बेहतर व सबसे व्यापक है। मंत्री ने कहा, हम 2047 तक भारत को विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए केंद्रित दृष्टिकोण के साथ काम कर रहे हैं।ध्पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सबसे कम जोखिम वाले देशों में से एक है। गोयल ने कहा, हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं। कम महंगाई, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल की वजह से देश में पिछले 10 साल में उससे पिछले दशक की तुलना में दोगुना प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है। इस तीन दिवसीय समिट में तटीय राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए विभिन्न सत्र, बिजनेस–टु–बिजनेस बैठकें और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

खतरे में है गौतम गंभीर की कोचिंग, बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में बस एक गलती और छे जाएगी छुट्टी

वहीं हेड कोच गौतम गंभीर की कोचिंग भी खतरे में दिख रही है। आने वाले दिनों में गौतम गंभीर की अग्निपरीक्षा शुरू होने जा रही है। जिसमें ये कहना गलत होगा कि उनके पास बस एक मौका है जिससे उन्हें खुद को साबित करना पड़ेगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में सूपड़ा साफ होने के बाद टीम इंडिया की चारों तरफ आलोचना हो रही है। वहीं हेड कोच गौतम गंभीर की कोचिंग भी खतरे में दिख रही है। आने वाले दिनों में गौतम गंभीर की अग्निपरीक्षा शुरू होने जा रही है। जिसमें ये कहना गलत होगा कि उनके पास बस एक मौका है जिससे उन्हें खुद को साबित करना पड़ेगा। दरअसल, 22 नवंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। जिसमें भारतीय टीम को हर हाल में जीतना होगा, इसी से गौतम गंभीर का पद बच सकता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद से लगातार उनकी कोचिंग शैली की चर्चा है। अब एक रिपोर्ट भा सामने आई है जिसमें कहा गया है कि अगर टीम इंडिया बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में बुरी तरह से हारती है तो गौतम गंभीर को टेस्ट टीम के हेड कोच के पद से बर्खास्त किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ता है तो बीसीसीआई लाल गेंद और सफेद गेंद के दो अलग–अलग कोच रखने की रणनीति अपना सकता है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अगर गौतम गंभीर से टेस्ट टीम की जिम्मेदारी छीनी जाती है

तो उनके रिप्लेसमेंट के रूप में एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को ये जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। हर किसी की नजरें इसी पर होगी कि टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया दौरे पर धमाकेदार कमबैक करे और कंगारूओं की लगातार तीसरी बार उन्हीं की धरती पर हराए। भारत ने पिछले दो ऑस्ट्रेलिया दौरों पर मेजबान टीम को सीरीज में हराया है। अगर टीम इंडिया 5 में से 4 मैच जीतने में कामयाब हो जाती है वह लगातार तीसरी बार डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी प्रवेश कर सकती है।

ट्रूकॉलर के नए सीईओ बनें ऋषित झुनझुनवाला, नहीं है भारत के नागरिक

ट्रूकॉलर ने भारत के मौजूदा मुख्य उत्पाद अधिकारी और प्रबंध निदेशक ऋषित झुनझुनवाला को 9 जनवरी, 2025 से कंपनी का सीईओ नियुक्त किया गया है। कंपनी ने एक बयान में जानकारी दी है कि ट्रूकॉलर के वर्तमान सीईओ एलन मामेदी और मुख्य रणनीति अधिकारी नामी ज़रिंगहलम ने अपनी परिचालन भूमिकाओं से हटने के अपने फैसले की घोषणा की है। दोनों अधिकारी ट्रूकॉलर बोर्ड के सदस्यों के रूप में अपना ध्यान केंद्रित करेंगे। दोनों ही अधिकारी कंपनी के रणनीतिक सलाहकार के रूप में काम करना जारी रखेंगे। वहीं कंपनी में होने वाले अधिकारियों के इस परिवर्तन के बाद ममेदी और जरिन्घलम 30 जून 2025 तक सलाहकार भूमिकाओं में ट्रूकॉलर में सेवाएं देते रहेंगे। इस समय के दौरान ही जिम्मेदारियों का सुचारू हस्तांतरण किया जा सकेगा। एलन ममेदी और नेमी ज़रिंघलम, सह–संस्थापक और जाने वाले सीईओ और मुख्य रणनीति अधिकारी ने कहा, ष्काफ़ी सोच–विचार के बाद, हमने ट्रूकॉलर में अपनी परिचालन ज़िम्मेदारियों को छोड़ने का फ़ैसला किया है। शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता कि 2009 में कंपनी की स्थापना के बाद से ट्रूकॉलर ने जिस तरह से विकास किया है, उस पर हमें कितना गर्व है। हमारे पास एक शानदार प्रबंधन टीम है, जिस पर हमें बहुत भरोसा है, और हमारे पास एक दीर्घकालिक रणनीति है जिसका हर कोई समर्थन करता है, और जिसने सकारात्मक परिणाम देना शुरू कर दिया है। इन दो चीज़ों के साथ, हम आश्वस्त हैं कि कंपनी भविष्य की सफलता के लिए अच्छी स्थिति में है, जिससे हम दीर्घकालिक रणनीति पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाएँगे। प्रमुख शेयरधारकों, सलाहकारों और प्रतिबद्ध बोर्ड सदस्यों के रूप में, हम ट्रूकॉलर की रणनीति और अन्य बोर्ड मामलों पर पूरे दिल से काम करना जारी रखने के लिए तत्पर हैं। मैं बहुत उत्साहित हूँ और साथ ही सम्मानित भी हूँ कि एलन और नेमी के साथ बोर्ड ने मुझे सीईओ के रूप में नियुक्त किया है। हमें वास्तव में गर्व है कि ट्रूकॉलर को दुनिया भर में लगभग आधे बिलियन लोग पसंद करते हैं और आने वाले वर्षों के लिए एक मजबूत रणनीति बनाई गई है। बाकी प्रबंधन टीम के साथ मिलकर मैं ट्रूकॉलर को और भी अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तत्पर हूँ। 2015 से एलन और नेमी के साथ मिलकर काम करने के बाद, मुझे पता है कि ये बड़ी जिम्मेदारियाँ हैं लेकिन मुझे विश्वास है कि हम भविष्य के संचार को और अधिक सुरक्षित बनाने के अपने मिशन के करीब पहुँचने के लिए अथक प्रयास करते रहेंगे, ट्रूकॉलर के आने वाले सीईओ ऋषित झुनझुनवाला ने कहा। ट्रूकॉलर के बोर्ड सदस्य शैलेश लखानी, अन्निका पोउटियानेन और हेलेना स्वानकार ने कहा, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को खुशी है कि ऋषित ने ट्रूकॉलर के सीईओ के रूप में नियुक्ति स्वीकार कर ली है। ऋषित लगभग एक दशक से कंपनी की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और उत्पाद और उपयोगकर्ता अनुभव पर समर्पित ध्यान के साथ ट्रूकॉलर की सकारात्मक संस्कृति को अपनाते हैं। अपनी वर्तमान भूमिका में, वे ट्रूकॉलर के अधिकांश कर्मचारियों और राजस्व के लिए जिम्मेदार रहे हैं, और हमारे उत्पाद विकास की प्राथमिक जिम्मेदारी उनके पास थी।

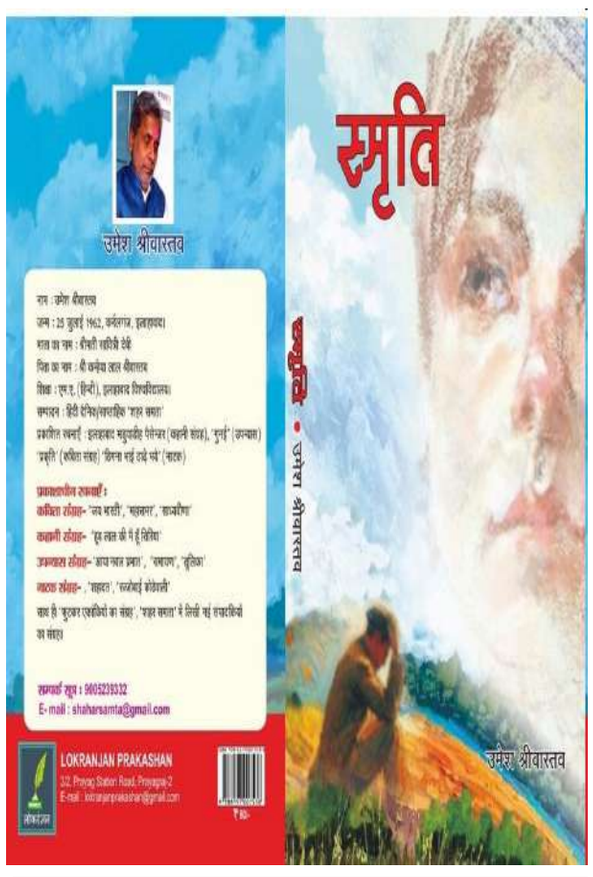

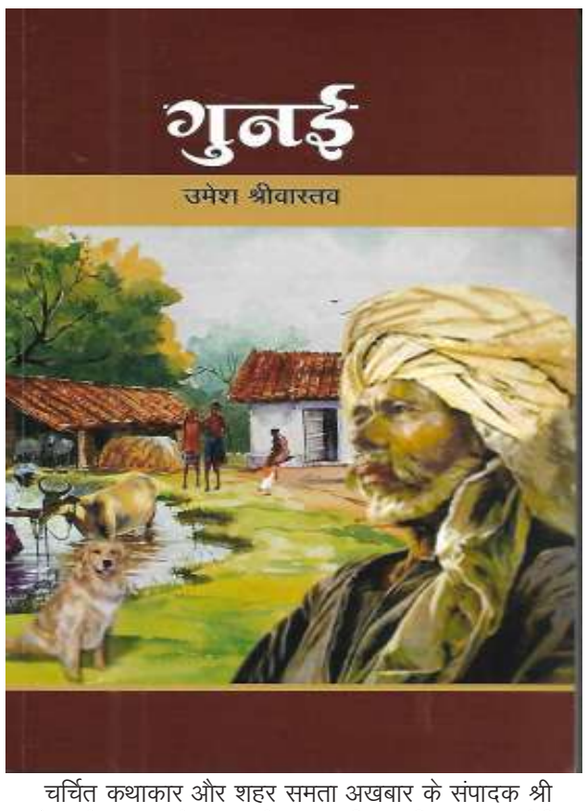

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

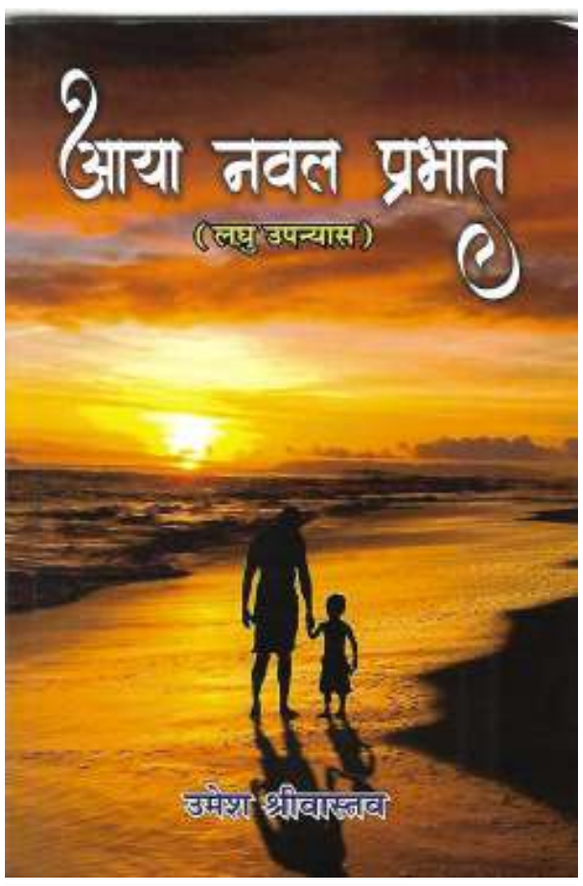

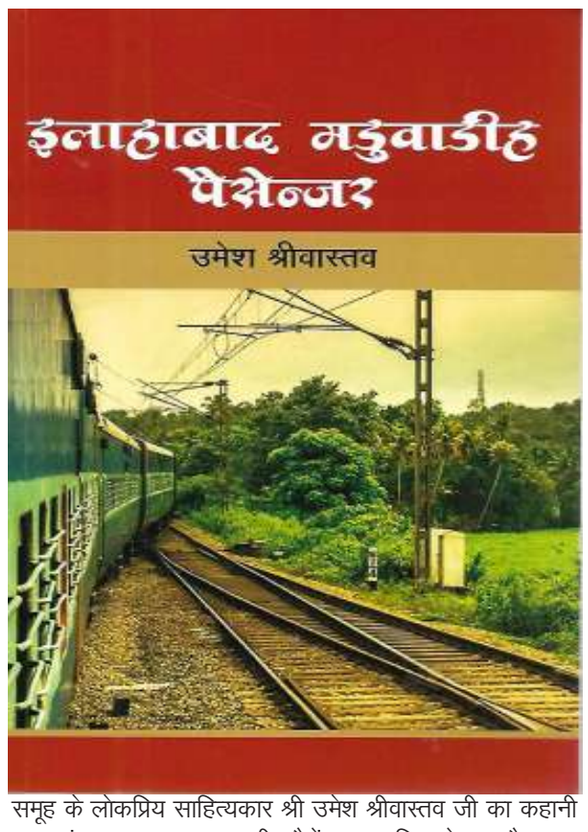

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

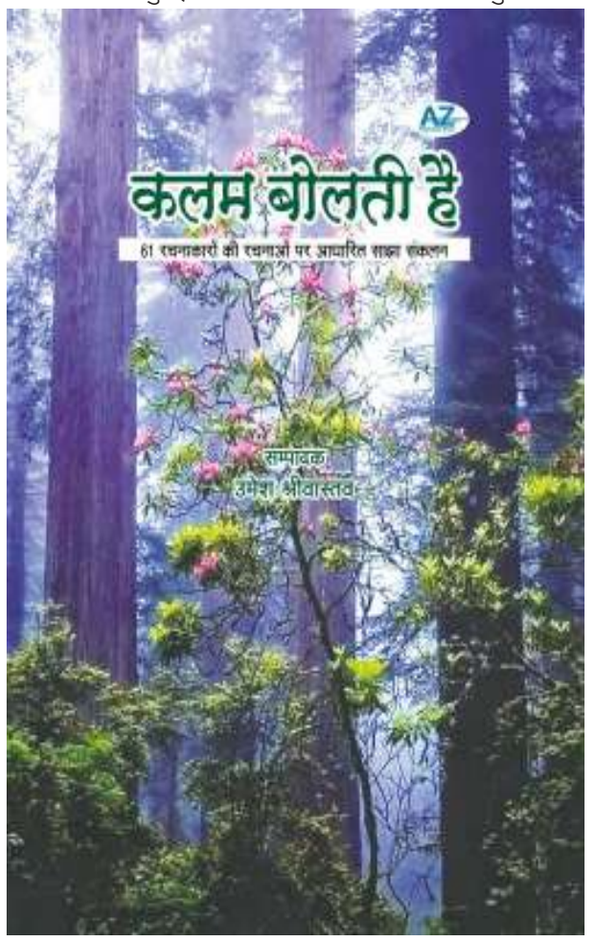

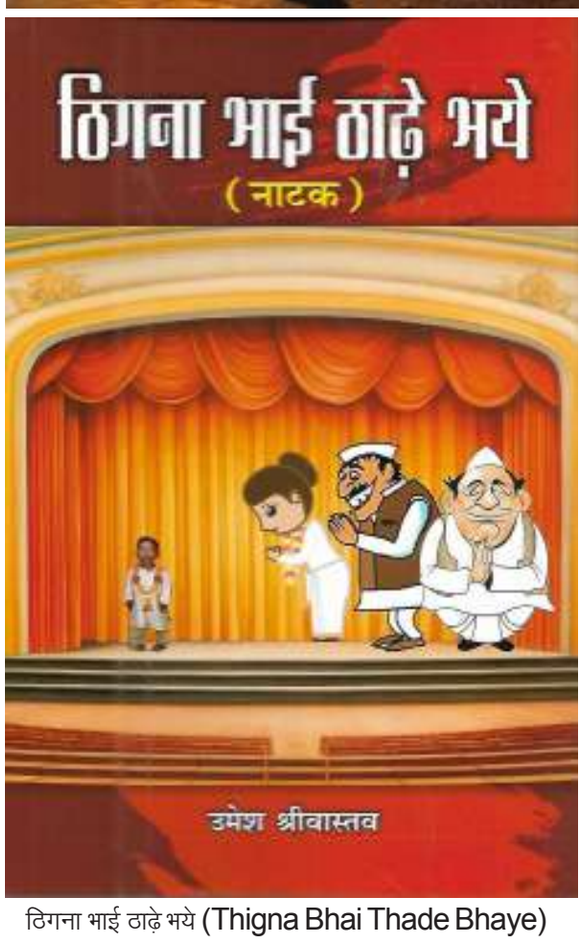

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पाकिस्तान के क्वेटा रेलवे स्टेशन पर हुआ घातक विस्फोट, 20 लोगों की मौत, कई घायल

पाकिस्तान। शनिवार की सुबह क्वेटा के रेलवे स्टेशन पर एक भयानक विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज़्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। यह विस्फोट भीड़भाड़ वाले प्लेटफ़ॉर्म पर हुआ, जब यात्री स्टेशन से रवाना होने वाली दो प्रमुख ट्रेनों में से एक, जफ़र एक्सप्रेस में सवार होने की तैयारी कर रहे थे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जफ़र एक्सप्रेस सुबह 9रू00 बजे पेशावर के लिए रवाना होने वाली थी, लेकिन विस्फोट होने के समय वह अभी प्लेटफ़ॉर्म पर नहीं पहुँची थी, जिससे संभवतः और अधिक हताहत होने से बचा जा सके। विस्फोट प्लेटफ़ॉर्म के पास स्टेशन के बुकिंग ऑफ़िस को निशाना बनाकर किया गया, जहाँ सुबह–सुबह ट्रेनों के आने की उम्मीद में भीड़ जमा हो गई थी। विस्फोट के प्रभाव से स्टेशन में हड़कंप मच गया, जिससे यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई और वे सुरक्षित बचने के लिए इधर–उधर भागने लगे। आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और घायलों को क्वेटा के सिविल अस्पताल में पहुँचाया। अस्पताल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है, तथा बड़ी संख्या में हताहतों की देखभाल के लिए अतिरिक्त चिकित्सा कर्मचारियों को बुलाया गया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि घायलों में से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। हमले के जवाब में, कार्यवाहक राष्ट्रपति सैयद

यूसुफ रजा गिलानी ने अपराधियों की निंदा की, तथा निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने के लिए उन्हें ष्मानवता का दुश्मनष करार दिया। उन्होंने आतंकवाद से निपटने तथा जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने भी हमले की निंदा की तथा संबंधित अधिकारियों को घटना की गहन जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि प्रांतीय सरकार बलूचिस्तान के सामने आने वाली सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। जैसे–जैसे जांचकर्ता विस्फोट के पीछे के कारण तथा उद्देश्य का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं, क्षेत्र में आगे के हमलों को रोकने के लिए प्रमुख पारगमन बिंदुओं पर सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। अधिकारी बम निरोधक इकाइयों के साथ भी समन्वय कर रहे हैं, ताकि साक्ष्य एकत्र किए जा सकें तथा विस्फोट की प्रकृति के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा सके। यह हमला बलूचिस्तान में जारी सुरक्षा चिंताओं की एक और याद दिलाता है, एक ऐसा प्रांत जिसने हाल के वर्षों में लगातार अशांति और हिंसा देखी है। सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और क्षेत्र से आतंकवाद के अभिशाप को खत्म करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने की कसम खाई है।

ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में इस शीर्ष पदाधिकारी को जगह नहीं, पूर्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि मौन

रॉयटर्स के मुताबिक, पूर्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि रॉबर्ट लाइटहाइजर को नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से वापस बुलाने के लिए नहीं कहा गया है, ये फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के एकदम विपरीत है। फाइनेंशियल टाइम्स ने डोनाल्ड ट्रंप के ट्रांजिशन टीम की चर्चाओं के आधार पर अनुमान लगाया था कि रॉब लाइटहाइजर को व्यापार नीति देखने के लिए डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में वापस लाया जा सकता है।

रॉब लाइटहाइजर ने भी रिपोर्ट पर साधी चुप्पी

हालांकि, रॉयटर्स ने बताया कि मामले से जुड़े दो सूत्रों में से एक ने इस रिपोर्ट को गलत बताया है। इन सूत्रों ने नाम न बताने की शर्त पर बात की। वहीं रॉब लाइटहाइजर ने इस रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार किया है, इस साथ ही डोनाल्ड ट्रंप की टीम में चल रही चर्चाओं पर भी कोई जवाब नहीं दिया है।

ट्रंप की ट्रांजिशन टीम ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

रॉयटर्स के अनुसार, लाइटहाइजर को ट्रंप की संभावित कैबिनेट में अन्य पदों जैसे कि ट्रेजरी सचिव और वाणिज्य सचिव के लिए भी देखा जा रहा है। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप की ट्रांजिशन टीम ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। गुरुवार को, डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि उन्होंने अपने दो अभियान प्रबंधकों में से एक, सूजी वाइल्स को व्हाइट हाउस के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में चुना है।

व्यापार एजेंडे को और भी तेजी से लागू करने की योजना बना रहे ट्रंप– रॉयटर्स

रॉयटर्स के अनुसार, डोनाल्ड ट्रंप अपने पहले चार साल के आक्रामक व्यापार एजेंडे को और भी तेजी से लागू करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें सभी आयातित सामानों पर 10: शुल्क और चीन से आने वाले आयातों पर और भी अधिक शुल्क लगाया जा सकता है। अगर ये लागू किए गए, तो इससे उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतें बढ़ सकती हैं। अमेरिका में चीन के शीर्ष प्रतिनिधि ने गुरुवार को चेतावनी दी कि व्यापार या शुल्क युद्ध में किसी की जीत नहीं होती है, न ही विज्ञान, तकनीक, या उद्योग युद्ध में कोई विजेता होता है।

पाकिस्तान में खतरनाक स्तर पर पहुंचा प्रदूषण, मुल्तान में एक्यूआई 2000 के पार, कई शहरों में लगा लॉकडाउन

मुल्तान। पाकिस्तान में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। पंजाब राज्य के इलाकों में धुंध के चलते स्थिति बिगड़ रही है। मुल्तान शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) दो हजार के पार पहुंच गया। इसके चलते पंजाब राज्य सरकार हाई अलर्ट पर है। साथ ही राज्य के कई शहरों में लॉकडाउन लगाया गया है। राज्य में 17 नवंबर तक पार्क और संग्रहालय बंद कर दिए गए हैं। इसके साथ ही बाजार को जल्दी बंद करने और लोगों के फेस मास्क लगाने के लिए कहा गया है। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक पंजाब राज्य के सबसे बड़े शहर मुल्तान में शुक्रवार सुबह आठ बजे से नौ बजे के बीच वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 2135 दर्ज किया गया।

इसके साथ ही हवा में पीएम 2.5 की सांद्रता 947 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर दर्ज की गई, जोकि डब्ल्यूएचओ की ओर से तय किए गए मानक से 189.4 गुना ज्यादा रही। मुल्तान में रात 10 बजे एक्यूआई 980 रहा। इसके साथ ही डब्ल्यूडब्ल्यूएफ पाकिस्तान कार्यालय, शमसाबाद कॉलोनी और मुल्तान कैंट क्षेत्र में एक्यूआई क्रमशरू 2316, 1635 और 1527 दर्ज किया गया। वहीं मुल्तान से सटे बहावलपुर, मुजफ्फरगढ़ और खानेवाल में भी धुंध की चादर दिखी, इससे दृश्यता कम रही। प्रदूषण स्तर बढ़ने के चलते मुल्तान के सबसे बड़े निश्तार अस्पताल की ओपीडी और आपातकालीन वार्ड में दो स्मॉग काउंटर स्थापित किए गए हैं। मुल्तान के डिप्टी कमिश्नर वसीम हामिद सिंधु ने बताया कि शहर में स्मार्ट लॉकडाउन लगाया गया है। इसके तहत बाजार को रात आठ बजे तक बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। यातायात पुलिस को धुआं छोड़ने वाले वाहनों पर कार्रवाई करने, पराली और कचरा जलाने वालों, ईंट भट्ठों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा गया है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

अमेरिका में ट्रंप, यूरोप में हड़कंप, जर्मनी में अचानक क्यों राजनीतिक संकट गहराया, दो-तिहाई वोटर्स चाहते हैं चुनाव

6 नवंबर का दिन यूरोप के लिए बदलावों वाला रहा। एक तरफ डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव जीता। लेकिन ठीक उससी वक्त यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था उस समय राजनीतिक उथल–पुथल में घिर गई जब महीनों की अंदरूनी कलह के बाद स्कोल्ज़ का तीन–पक्षीय गठबंधन टूट गया। जर्मनी की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार अल्पमत में आ गई। सोशल डेमोक्रेट्स (एसपीडी), ग्रीन्स और फ्री डेमोक्रैट्स (एफडीपी) के गठबंधन के बीच विवाद तब और साफ हो गया, जब चांसलर ओलाफ शॉल्ट्स ने वित्त मंत्री क्रिस्टियान लिंडनर को बर्खास्त कर दिया। उनके इस फैसले से बाकी उदारवादी नाराज हो गए और कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। सर्वे में कहा गया है कि चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के सत्तारूढ़ गठबंधन के पतन के बाद लगभग

दो–तिहाई जर्मन मतदाता जल्द से जल्द चुनाव चाहते हैं। चांसलर ने कहा कि अगले वर्ष की शुरुआत तक अल्पमत सरकार में उनकी 'सोशल डेमोक्रेट्स' और 'ग्रीन' पार्टी शामिल रहेगी। हालांकि संसद में सबसे बड़े विपक्षी गुट के नेता 'क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स' के फ्रेडरिक मर्ज ने अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान और चुनाव कराने का आह्वान किया है। शोल्ज ने इस बात पर जोर दिया कि वह 15 जनवरी से पहले विश्वास मत नहीं कराना चाहते हैं। अगले चुनाव की संभावित तारीख के बारे में चांसलर कार्यालय में मर्ज और शोल्ज की बैठक एक घंटे से भी कम समय में समाप्त हो गई, तथा मर्ज वार्ता पर कोई टिप्पणी किए बिना ही चले गए। राष्ट्रपति फ्रैंक–वाल्टर स्टीनमीयर ने बर्खास्त वित्त मंत्री लिंडनर और 'फ्री डेमोक्रेट्स' पार्टी के दो अन्य मंत्रियों अनुसंधान मंत्री बेट्टीना स्टार्क–वाटजिंगर और न्याय मंत्री मार्को बुशमैन को पद से हटाए जाने की जानकारी दी। मौजूदा गठबंधन में वामपंथी 'सोशल डेमोक्रेट्स' और पर्यावरणवादी 'ग्रीन' पार्टी है। हालांकि, मर्ज ने जनवरी तक विश्वास मत हासिल करने की शोल्ज की योजना को सख्ती से खारिज कर दिया। शोल्ज की सरकार के पास अब संसद में बहुमत नहीं है, इसलिए वह संभवतः विश्वासमत हार जाएंगे। उस स्थिति में, जर्मनी के राष्ट्रपति 21 दिनों के भीतर संसद को भंग कर सकते हैं और जनवरी में ही चुनाव करवा सकते हैं। कारोबार समर्थक 'फ्री डेमोक्रेट्स' पार्टी के लिंडनर ने कर में वृद्धि या ऋण लेने की सख्त स्व–निर्धारित सीमाओं में बदलाव को अस्वीकार कर दिया था। हालांकि शोल्ज की 'सोशल डेमोक्रेट्स' और 'ग्रीन' पार्टी बड़े पैमाने पर सरकारी निवेश चाहती हैं और उन्होंने कल्याणकारी कार्यक्रमों में कटौती के 'फ्री डेमोक्रेट्स' के प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया था।

इजरायल की पहुंच से कोई दूर नहीं, इस देश में उसके नागरिकों पर हुआ हमला

गुस्से में नेतन्याहू ने अंदर तक उतार दिए फाइटर जेट्स

विदेशी धरती पर यहूदियों को निशाना बनाए जाने से हड़कंप मचा है। इजरायलियों पर एक फुटबॉल मैच के बाद यूरोपीय देश निदरलैंड पर हमला किया गया, जिसके कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें फिलिस्तीनी समर्थक लोग इजरायलियों को अकेला पाकर हमला करते दिखे। घटना सामने आने के बाद इजरायली सरकार भी एक्शन में आ गई। इजरायली नागरिकों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने दो बचाव विमान ऐम्स्टर्डम में भेजे। दरअसल, नीदरलैंड्स की राजधानी ऐम्स्टर्डम में फुटबॉल मैच के बाद यहुदी विरोधी दंगाइयों ने इस्राइली फैन्स पर हमला किया। इसमें 25–30 लोग घायल हुए है, जिनमें से पांच को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिन्हें बाद में छुट्टी दे दी गई। हिंसा से बचाकर इस्राइली प्रशंसकों को वापस लाने के लिए इस्राइली

प्रधानमंत्री बेन्यामिन नेतन्याहू ने विमान भेजा और उन्हें वापस तेल अवीव लाए। ऐम्स्टर्डम पुलिस ने हिंसा में अब तक –2 लोगों को गिरफ्तार किया है।

क्यों फैली हिंसा

गाजा और लेबनान में इस्राइली हमलों को लेकर ऐम्स्टर्डम में पहले से ही तनाव था। सोशल मीडिया पर यहूदियों को निशाना बनाने के आह्वान के बाद ये हिंसा हुई। ऐम्सटर्डम पुलिस ने कहा कि यूरोपा लीग में एजेक्स और मैकाबी तेल अवीव टीमों के बीच मैच में काफी बाधाएं खड़ी हुई। इसमें मैकाबी (इस्राइली) समर्थकों को निशाना बनाकर हिंसा हुई। दंगाइयों ने इस्राइली फैन्स को ढूंढ़कर उन पर हमला किया। पुलिस इस्राइली समर्थकों को बचाकर होटलों तक लाई। इससे पहले मेयर ने स्टेडियम के पास फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन बैन कर दिया था, जिसके बाद हिंसा भड़की। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने वहां कार्गो एयरक्राफ्ट और मेडिकल टीम के साथ रेस्क्यू टीम तैनात करने की तैयारी की है। एमस्टरडैम में इजरायलियों के खिलाफ गंभीर और हिंसक घटनाओं के बाद प्ध् डच सरकार के समन्वय के साथ तुरंत एक बचाव मिशन तैनात करने की तैयारी कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने डच प्रधानमंत्री डिक शूफ और स्थानीय सुरक्षा बलों से दंगाइयों के खिलाफ निर्णायक और तेजी से कार्रवाई करने का आह्वान किया गया है।

मेक्सिको में बंदूकधारियों ने की नौसेना के रियर एडमिरल की गोली मारकर हत्या

मेक्सिको में बंदूकधारियों ने नौसेना के एक 'रियर एडमिरल' की शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी। मेक्सिको की नौसेना ने बताया कि बंदरगाह शहर मंजानिलो में हमलावरों ने एक रियर एडमिरल की गोली मारकर हत्या कर दी। रियर एडमिरल नौसेना के सर्वोच्च पद 'फुल एडमिरल' से नीचे का पद है। स्थानीय मीडिया ने नौसेना के अधिकारी का नाम फर्नांडो गुएरेरो अल्कांतार बताया है लेकिन नौसेना के प्रवक्ता ने नाम की पुष्टि नहीं की है। नौसेना ने एक बयान में बताया कि जिस समय अधिकारी पर हमला किया गया उस समय वह अपने निजी वाहन से यात्रा कर रहे थे। हत्या के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। देश में मादक पदार्थों के तस्करों द्वारा उच्च पदस्थ अधिकारियों पर हमले के मामले काफी कम हैं।वर्ष 2013 में बंदूकधारियों ने पड़ोसी राज्य मीचोआकन में वाइस एडमिरल कार्लोस मिगुएल सालाजार की हत्या कर दी थी।

संक्षिप्त समाचार

एफबीआई ने डोनाल्ड ट्रंप को निशाना बनाकर रचे जा रहे हत्या के ईरानी षड्यंत्र को विफल किया : अमेरिका

अमेरिका के विधि मंत्रालय ने नव–निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या किए जाने की ईरान की नाकाम साजिश के संबंध में शुक्रवार को आपराधिक आरोपों की घोषणा की। मैनहट्टन में

संघीय अदालत में दायर एक आपराधिक शिकायत में आरोप लगाया गया है कि ईरान के अर्धसैनिक बल 'रिवोल्यूशनरी गार्ड' के एक अधिकारी (जिसका नाम ज्ञात नहीं है) ने सितंबर में अपने संपर्क वाले एक व्यक्ति को ट्रंप पर नजर रखने और अंततः उनकी हत्या करने का षड्यंत्र बनाने का निर्देश दिया था।

नेपाल में सड़क दुर्घटना में एक भारतीय समेत पांच लोगों की मौत

नेपाल के बागमती प्रांत में शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में एक भारतीय समेत पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना तब हुई जब राष्ट्रीय राजमार्ग के नारायणगढ़–मुगलिंग खंड पर चितवन जिले के सतराकिलो क्षेत्र में

एक बस और एक इलेक्ट्रिक वाहन में आमने–सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना में जान गंवाने वाले पांच लोगों में गंडकी प्रांत के कास्की जिले के पोखरा शहर के निवासी भारतीय नागरिक कुमार शाह भी शामिल हैं। मृतकों में इलेक्ट्रिक वाहन का चालक भी शामिल है। पुलिस ने कहा कि घटना में गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति का मेडिकल कॉलेज में इलाज किया जा रहा है।

सिएटल में चाकूबाजी की घटनाओं में नौ लोग घायल, संदिग्ध गिरफ्तार

अमेरिका के सिएटल शहर में दो दिन में चाकूबाजी की कई घटनाओं के संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। इन घटनाओं में नौ लोग घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि इनमें से पांच लोग शुक्रवार दोपहर को घायल हुए हैं। पुलिस उप प्रमुख एरिक बार्डन ने शुक्रवार को घटनास्थल पर कहा, ''यह घटना स्पष्ट रूप से 38 घंटे की अवधि में एक व्यक्ति द्वारा लगातार हमले किए जाने की थी।'' पुलिस ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों ने संदिग्ध का हुलिया बताया और अधिकारियों ने उसे नजदीक के एक स्थान से हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से एक हथियार बरामद किया गया है। बार्डन ने बताया कि पुलिस को संदेह है कि शुक्रवार को चाकूबाजी की घटना के संबंध में गिरफ्तार किया गया शख्स ही बृहस्पतिवार तड़के से हुई चाकूबाजी की कम से कम चार अन्य घटनाओं में भी शामिल है।

न्यायाधीश ने 2020 के चुनाव से जुड़े ट्रंप के मामले में अदालती समयसीमा रद्द की

अमेरिका में 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से जुड़े मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश ने अदालत की शेष समयसीमा शुक्रवार को रद्द कर दी। दरअसल अभियोजकों ने कहा कि उन्हें राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप की इस सप्ताह हुई जीत के बाद मामले में ''आगे बढ़ने के लिए उचित कदम'' का आकलन करने के लिए समय चाहिए जिसके बाद न्यायाधीश ने समयसीमा रद्द कर दी। विशेष वकील जैक स्मिथ ने पिछले साल ट्रंप पर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों को पलटने की साजिश रचने और अपने 'मार–ए–लागो एस्टेट' में खुफिया दस्तावेजों को अवैध रूप से रखने का आरोप लगाया था। स्मिथ की टीम ने 2020 के मामले में शुक्रवार को अदालत में दायर एक याचिका में कहा कि उसे ट्रंप की चुनावी जीत के बाद ''इस अभूतपूर्व परिस्थिति का आकलन करने और न्याय विभाग की नीति के अनुरूप आगे बढ़ने को लेकर उचित कदम तय करने के लिए समय चाहिए।'' स्मिथ की टीम ने कहा कि वह न्यायाधीश को ''अपने विचार–विमर्श के परिणाम'' के बारे में दो दिसंबर तक सूचित करेगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।